A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 21 जून, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 284 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

हरियाणा : दलितों को रिझाने में जुटी बीजेपी, कांग्रेस का ध्यान ओबीसी पर

सुशील मानव

हरियाणा में इस साल के लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक उम्मीदवारों के समर्थन में जाट और अनुसूचित जाति (एससी) मतदाताओं के एकजुट होने से चिंतित मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दलितों तक पहुंचने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें सरकारी योजनाओं का तेज़ी से लागू किया जाना भी शामिल है, क्योंकि राज्य में इस साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य और केंद्र में सत्ता में काबिज़ बीजेपी ने हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों में से पांच पर जीत हासिल की, जबकि इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व कर रही कांग्रेस ने बाकी पांच सीटों पर जीत हासिल की। बीजेपी ने पहले सभी 10 सीटों पर जीत हासिल की थी।

अब, विधानसभा चुनाव में सिर्फ तीन महीने बचे हैं, ऐसे में दोनों पार्टियों ने उन मतदाताओं को लक्षित करने के लिए कोशिशें शुरू कर दी हैं, जो उनसे दूर चले गए हैं, लेकिन उन्हें वापस लाया जा सकता है।

पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पार्टी विधायकों से कहा है कि वे शहरी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिशें बढ़ाएं, जिन्होंने इस चुनाव में बड़ी संख्या में भाजपा को चुना है, साथ ही ओबीसी को भी। ओबीसी पर ध्यान भाजपा के ओबीसी प्रयासों के मद्देनज़र दिया जा रहा है – तीसरे मोदी मंत्रिमंडल में दो ओबीसी मंत्रियों (राव इंद्रजीत सिंह और कृष्ण पाल गुर्जर) को शामिल किया गया है और इस मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह ओबीसी सैनी को लाया गया है।

सैनी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसमें वे अनुसूचित जातियों के लिए योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा कर रहे हैं। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि उन्होंने सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों के कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक जल्द से जल्द बुलाने के आदेश दिए हैं, ताकि पिछले साल से अनुसूचित जातियों के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति की लंबित राशि जारी की जा सके। हरियाणा सीएम ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत – जिसमें एससी परिवारों को उनकी बेटियों की शादी के लिए 71 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है – पंजीकरण के समय ही 61 हजार रुपये वितरित किए जाने चाहिए। सैनी के अनुसार, खट्टर ने 2024-25 के बजट भाषण में घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 20 हजार लाभार्थियों को भूखंडों का कब्ज़ा दिया जाएगा। भूखंडों की कमी के कारण वंचित रह गए लोगों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

सैनी सरकार के इस कदम पर विपक्ष के नेता हुड्डा ने कहा कि विधानसभा चुनावों में पूरी तरह से हार के डर से भाजपा को 100 गज के भूखंड योजना की याद आ गई है। यह योजना कांग्रेस सरकार (हुड्डा के नेतृत्व में) के दौरान शुरू की गई थी और करीब 4 लाख गरीब, एससी और ओबीसी परिवारों को 100 गज के मुफ्त भूखंड वितरित किए गए थे।

कांग्रेस ने 7 लाख से अधिक परिवारों को ये भूखंड देने की योजना बनाई थी, लेकिन भाजपा ने सत्ता में आते ही (2014 में) इस योजना को बंद कर दिया। 'पूर्व सीएम ने आश्वासन दिया कि अगर कांग्रेस हरियाणा में सत्ता में आती है, तो इस योजना को फिर से शुरू किया जाएगा और 'लाभार्थियों को 100 गज के प्लॉट पर दो कमरों का पक्का मकान दिया जाएगा।'

जबकि कांग्रेस के एक विधायक ने बताया था कि हुड्डा ने सोमवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में पार्टी विधायकों को भाजपा के ओबीसी अभियान को रोकने और शहरी मतदाताओं तक पहुंचने का निर्देश दिया था, हरियाणा के पूर्व सीएम ने इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा, 'शहरी और ग्रामीण विभाजन से परे और जातियों और धर्मों से परे समाज के सभी वर्ग चाहते हैं कि हरियाणा में भाजपा सरकार जाए क्योंकि वे इसके कुशासन से तंग आ चुके हैं।'

माना जा रहा है कि हरियाणा में अनुसूचित जातियों ने इस बार बड़ी संख्या में सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ वोट किया है, क्योंकि उन्हें आशंका है कि अगर भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए 400 से अधिक सीटों के साथ सत्ता में आई तो संविधान में बदलाव हो सकता है। दूसरी ओर, भाजपा सरकार के खिलाफ जाटों का गुस्सा कई कारणों से है, जिसमें किसानों का असंतोष, सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना और पार्टी के एक सांसद द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ पहलवानों का विरोध शामिल है।

विभिन्न अनुमानों के अनुसार, हरियाणा में जाटों की आबादी 20-22 प्रतिशत है, जबकि दलितों की आबादी 20-21 प्रतिशत है। जाट और दलितों की कुल आबादी 40 प्रतिशत से अधिक है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जाटों के गुस्से के लिए पार्टी जिम्मेदार है, क्योंकि किसानों के असंतोष और पहलवानों के विरोध जैसे मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर और अलग तरीके से निपटाया जा सकता था। भाजपा ने कभी संकेत नहीं दिया कि पार्टी जाट वोट चाहती है। वरना वह संसदीय चुनावों से महीनों पहले अपने प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनखड़ को नहीं हटाती, जब वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। अगर कोई राजनीतिक दल चुनाव जीतना चाहता है तो वह हरियाणा में जाटों की अनदेखी नहीं कर सकता। हरियाणा की करीब 40 विधानसभा सीटों पर जाट मतदाता निर्णायक हैं। 2014 में इनेलो और कांग्रेस ने क्रमशः 19 और 15 सीटें जीतीं, जिनमें से ज्यादातर वे थीं, जहां जाट निर्णायक कारक थे। वहीं, भाजपा के जाट नेता कैप्टन अभिमन्यु, धनखड़, सुभाष बराला, नरेश कौशिक, रघबीर सिंह, प्रेम लता और महिपाल ढांडा भी जाट बहुल सीटों से जीते। 2019 में, कांग्रेस ने 31 सीटें जीतीं, जिनमें से करीब 25 जाट बहुल सीटें थीं। जाट बहुल सीटों पर जेजेपी ने 10, आईएनएलडी ने 1 और 3 सीटें निर्दलीयों के खाते में गईं।'

उन्होंने कहा, 'इस बार, (पूर्व भाजपा सहयोगी) जेजेपी और आईएनएलडी लोकसभा चुनावों में क्रमशः 0.87 प्रतिशत और 1.84 प्रतिशत वोट शेयर के साथ अपने सबसे निचले स्तर पर हैं।' हालांकि, भाजपा के हरियाणा प्रवक्ता संजय शर्मा ने बताया कि पार्टी को सभी समुदायों का समर्थन प्राप्त है। भाजपा सभी 36 बिरादरियों (हरियाणा में रहने वाले 36 समुदाय) को एक साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। संसदीय चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों को शहरी विधानसभा क्षेत्रों में भारी बढ़त मिली थी।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

देशभर में 110 मौतें 40,000 से अधिक बीमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे देश में भीषण गर्मी की मार से कई लोग मर चुके हैं। कोरोना महामारी के दौरान जिस तरह के मृतकों का आंकड़ा इकट्ठा किया जा रहा था ठीक वैसे ही अब हीट स्ट्रोक से मरने वालों का आंकड़ा भी इकट्ठा किया जाने लगा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इकट्ठे किए गए आंकड़ों के अनुसार, मार्च से अब तक देश में हीटस्ट्रोक से 110 मौतें हुई हैं। इनमें से छह पिछले मंगलवार को दर्ज की गई। इसके अलावा, इस गर्मी में हीटस्ट्रोक के 40,272 मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश (36) में हुई, उसके बाद बिहार (17) और राजस्थान (16) में। उसके बाद बिहार, राजस्थान और ओडिशा में लोगों की जान गई हैं। हालांकि, हीटस्ट्रोक के सबसे ज्यादा मामले मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, अनौपचारिक रूप से शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, एमपी में हीटस्ट्रोक के 10,636 मामले दर्ज किए गए, लेकिन सिर्फ पांच मौतों की पुष्टि हुई

- **कोरोना की तरह अब आने लगे हीट स्ट्रोक के आंकड़े**

है। मई के अंत तक हीटस्ट्रोक से केवल 56 मौतें हुई थीं और कुल 24,849 मामले सामने आए थे। एक अधिकारिक सूत्र ने बताया, उपलब्ध आंकड़े राज्यों की ओर से दिए गए अंतिम आंकडें नहीं हैं। इसलिए यह संख्या बढ़ भी सकती है। जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, सिर्फ 18 जून को ही हीट स्ट्रोक से छह लोगों की मौत हुई है।

दिल्ली बनी अब 'लू' से मौतों की राजधानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की बड़ी आबादी इस बार प्रचंड गर्मी और लू से जूझ रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी इससे अछूती नहीं है। हालात ऐसे हैं कि घर के बाहर ही नहीं, घर के अंदर भी लोग हीट स्ट्रोक का शिकार हो रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 10 दिनों में करीब 200 मौतें दिल्ली में गर्मी और लू की वजह से हुई हैं। इस

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का सबसे ज्यादा शिकार बेघर लोग बन रहे हैं। गैर–सरकारी संगठन सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, 11 से 19 जून के दौरान दिल्ली में 192 बेघर लोगों के मौत की सूचना मिली है। पिछले 48 घंटे में दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों में 116 ब्रॉट डेड मरीजों की पुष्टि हुई है। इसमें 30 मरीजों की मौत हीट स्ट्रोक और गर्मी से संबंधित बीमारी की वजह से हुई है। 13 मौतें तो एक ही अस्पताल में हुई हैं।

इनकम टैक्स छूट की सीमा बढ़ा सकती है मोदी सरकार

- 10 लाख तक की आय पर टैक्स छूट की उम्मीद, सेक्शन 80ए में भी बदलाव संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी सरकार वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट जुलाई के तीसरे सप्ताह में पेश कर सकती है। ऐसे में मिडिल क्लास और टैक्सपेयर्स को राहत मिलने की उम्मीद है। रॉयटर्स के मुताबिक, मोदी 3.0 अपने पहले बजट में 10 लाख सालाना कमाने वाले लोगों के लिए इनकम टैक्स की दरों में कटौती करने पर विचार कर रही है। इसके अलावा सरकार इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव करने की प्लानिंग कर रही है। चुनावी साल होने के चलते वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को 2025 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। तब वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स से जुड़ी कोई बड़ी घोषणा नहीं की था। बजट में सरकार यह राहत एक खास सैलरी वर्ग और मिडिल क्लास को दे सकती है। वहीं, मनीकंट्रोल ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकार बजट में इनकम टैक्स छूट की सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर सकती है। यह बदलाव केवल नई टैक्स रिजीम के तहत रिटर्न फाइल करने वालों पर लागू होगा। मान लीजिए, किसी की सालाना इनकम 5 लाख रुपए है तो उसे छूट मिल सकती है।

सुप्रभात

जो भी मिल जाता है
घर बार को दे देता हूँ।
या किसी और तलबगार
को दे देता हूँ।
धूप को देता हूँ तन अपना
झुलसने के लिये
और साया किसी
दीवार को दे देता हूँ।
जो दुआ अपने लिये
मांगनी होती है मुझे
वो दुआ भी किसी
ग़मख़ार को दे देता हूँ।
मुतमइन अब भी अगर
कोई नहीं है, न सही
हक़ तो मैं पहले ही हक़दार
को दे देता हूँ।
जब भी लिखता हूँ मैं
अफ़साना यही होता है
अपना सब कुछ किसी
किरदार को दे देता हूँ।
ख़ुद को कर देता हूँ
कागज़ के हवाले अक्सर
अपना चेहरा कभी
अख़बार को देता हूँ ।
मेरी दुकान की चीजें
नहीं बिकती नज़्मी
इतनी तफ़सील ख़रीदार
को दे देता हूँ।

-अख्तर नजमी

दिल्ली के सीएम केजरीवाल को बड़ी राहत, शराब घोटाले मामले में कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में उन्हें जमानत दे दी है। कोर्ट ने एक लाख मुचलके पर जमानत दी है।

इस आधार पर जमानत का ईडी ने किया था विरोध

केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करते हुए जांच एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि रिश्वत के आरोप केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की तरफ से लगाए गए थे। ईडी ने अदालत को बताया कि केजरीवाल ने आप पार्टी के लिए साउथ ग्रुप से रिश्वत की मांग की। अगर आम आदमी पार्टी (आप) को मामले में आरोपी बनाया गया है तो पार्टी के प्रभारी व्यक्ति को दोषी ठहराया जाएगा। ईडी ने अदालत को बताया कि जब इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आरोपी बनाया गया था, तो उस वक्त आम आदमी पार्टी को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को आबकारी नीति पर केजरीवाल की जमानत याचिका पर विरोध जताते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि वह हवा में जांच कर रही है। हमारे पास ठोस सबूत हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन-बेतवा परियोजना के भूमिपूजन के लिए किया अनुरोध

- **प्रधानमंत्री से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की भेंट**
- **जल-गंगा अभियान और सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम सहित प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी**

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उनके निवास 7, लोक कल्याण मार्ग में सौजन्य भेंट कर तीसरे कार्यकाल की बधाई देकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गठित नई केंद्र सरकार पूर्व की भांति मध्यप्रदेश के विकास और उन्नति के लिए सहयोग देती रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री को प्रदेश में चल रही दो प्रमुख नदी-जोड़ो परियोजनाओं, केन-बेतवा परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना की वर्तमान जानकारी से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन-बेतवा परियोजना भूमिपूजन के लिए तैयार है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी से केन-बेतवा परियोजना के भूमिपूजन के लिए समय प्रदान करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को प्रदेश में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जल-गंगा अभियान से प्रदेश के कुएं, बावड़ियां, नदियां, तालाब, पोखर, झील इत्यादि जल संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित कर जनजागृति का वृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश की जनता का इस अभियान के प्रति उत्साह देखकर इस अभियान की समय-सीमा को 30 जून तक बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को प्रदेश में चल रहे सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के नेतृत्व में डिंडोरी जिले में विश्व सिकल सेल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार 'रक्त विकार' की इस गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही जनजागरूकता से मरीजों के सदैव सहयोग के लिये भी दृढ़ संकल्पित है।

अमरवाड़ा उपचुनाव में भाजपा ने झोंकी ताकत, सत्ता और संगठन की दिख रही जुगलबंदी

मोहन, वीडी का पूरा फोकस तो हितानंद तीन दिन से क्षेत्र में रहकर खुद संभाल रहे कमान

भोपाल। मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा विधानसभा सीट जीतने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अभी से पूरी ताकत झोंक रखी है। प्रत्याशी चयन कर नाम की घोषणा के साथ ही भाजपा ने कांग्रेस पर अपनी बढ़त बना ली थी यही स्थिति अब चुनाव की रणनीति, प्रचार और संगठन के कामों में दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के फोकस में होने से यह उपचुनाव काफी दिलचस्प हो रहा है। यही कारण है कि भाजपा उम्मीदवार कमलेश शाह का नामांकन जमा कराने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा स्वयं मौजूद रहे थे। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद तो पिछले तीन दिन से अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में ही प्रवास पर रहकर एक-एक बूथ पर भाजपा की विजय की रणनीति बनाकर इस योजना पर काम करा रहे हैं। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में सफलता के बाद यह उपचुनाव होने जा रहा है ऐसे में इस विधानसभा के सभी शक्ति केंद्रों पर संयोजक, प्रभारी के साथ ही एक प्रवासी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर काम से जोड़ा गया है। उपचुनाव में प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ पन्ना प्रमुख तक सक्रिय हों इसका लक्ष्य और जिमेदारी देकर कार्यकर्ताओं को कार्य दिए गए हैं। हाल ही में भाजपा ने मप्र की 29 में से सभी 29 लोकसभा सीटें जीतने का कमाल कर दिखाया है। परंपरागत रूप से कांग्रेस के पास रही छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर भी अपना परचम लहरा चुकी भाजपा उत्साह से लबरेज है। छिंदवाड़ा जिले की ही विधानसभा सीट अमरवाड़ा से विधायक चुने गए कांग्रेस के कमलेश शाह लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हो गए थे। उनके विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण अमरवाड़ा सीट पर 10 जुलाई को उपचुनाव होना है।

एक-एक कार्यकर्ता को किया जा रहा सक्रिय- इस उपचुनाव को भाजपा बिल्कुल भी हलके में नहीं ले रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव यहां सभा कर चुके हैं। प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा भी चुनाव को मॉनीटर कर रहे हैं। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद उपचुनाव की घोषणा के पूर्व से ही अपनी सक्रियता बनाए हुए हैं। पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में रहकर वे खुद ही एक-एक कार्यकर्ता को सक्रिय करने की योजना पर काम कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने सबसे पहले भाजपा और मोर्चा, प्रकोष्ठों को सक्रिय किया है। मीडिया और सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है, इस पर भी उनकी स्थानीय कोर टीम नजर बनाए हुए है। जहां जैसी आवश्यकता लग रही है उसी के आधार पर प्रचार को गति दी जा रही है। प्रचार के लिए दीवार लेखन से लेकर सभा कहां होगी इसकी पूरी मैपिंग संगठन द्वारा की जा रही है।

कार्यालय से लेकर पन्ना प्रमुख तक की बैठकें- अभी संगठन के पूरे फोकस में होने से अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यालय और चुनाव कार्यालय के बीच तगड़ा समन्वय बना हुआ है। मंडल, मोर्चों, प्रकोष्ठों, बूथ समितियों और पन्ना प्रमुखों की बैठकें कर स्थिति का आकलन करते हुए आगे की योजना पर लगाया जा रहा है।

छोटी बैठकों पर है संगठन का जोर- उपचुनाव में संगठन का माइक्रो मैनेजमेंट पर अधिक जोर है। इसके लिए छोटी-छोटी मोहल्ला बैठकें, अलग-अलग व्यवसायी वर्ग और समाज की बैठकों का दौर चल रहा है। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद स्वयं इस प्रकार की बैठकों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 42.5 °c

न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 21 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

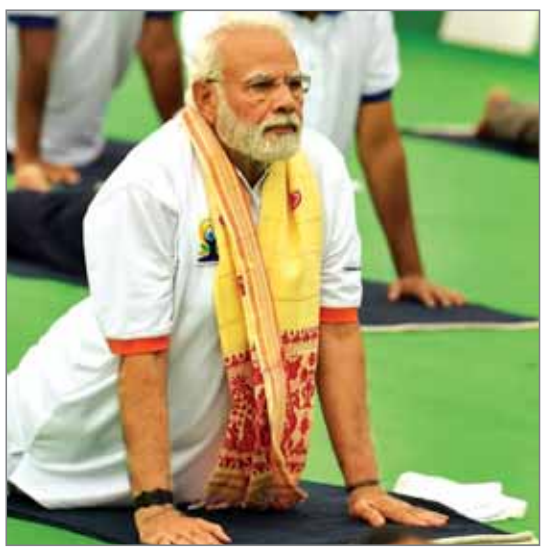

कश्मीर में 7000 लोगों के साथ योग करेंगे पीएम मोदी

कार्यक्रम आज, पुलिस ने श्रीनगर को घोषित किया 'टेंपररी रेड जोन'

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार शाम श्रीनगर पहुंच गए हैं। यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश की कमान संभलाने के बाद कश्मीर पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री शुक्रवार को शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में 'एंपावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जेएंडके' इवेंट में भी हिस्सा लेंगे। कश्मीर यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर राज्य में 1500 करोड़ रुपये से ज्यादा के मल्टी डेवलपमेंट

प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन करेंगे। वह 1,800 करोड़ रुपये की लागत वाले कृषि से संबंधित एक प्रोजेक्ट को भी लॉन्च करेंगे। पीआईबी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को सुबह करीब साढ़े छह बजे श्रीनगर में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित भी करेंगे और फिर योग सत्र में शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कश्मीर विजिट से पहले शहर में सुरक्षा के खास बंदोबस्त किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था बनाई है।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल में डेढ़ सौ बसों का संचालन बंद

पीएफ राशि को लेकर ड्राइवर-कंडक्टर नाराज; बीसीएलएल सुलह में जुटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पिछले 7 दिन से करीब 150 सिटी बसें नहीं दौड़ रही है। पीएफ (प्रोविडेंट फंड) की राशि जमा नहीं होने से 300 से ज्यादा ड्राइवर और कंडक्टर नाराज हैं और वे बसें नहीं चला रहे हैं। इस वजह से कई रूटों पर यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इधर, भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड बीसीएलएल ड्राइवर-कंडक्टर और बस कंपनी के बीच में सुलह करवाने में जुटी है। वहीं, पीएफ की राशि भी जमा करवा रही है।

बता दें कि शहर में मां एसोसिएट की बसों का संचालन 14 जून से ही बंद है। भोपाल सिटी यान चालक-परिचालक ट्रेड यूनियन इंटक भोपाल के बैनर तले ड्राइवर और कंडक्टर्स बाग मुगालिया स्थित सिटी बस डिपो में प्रदर्शन भी कर रहे हैं। उनका आरोप है कि संबंधित बस कंपनी ने करीब 14 महीने की पीएफ राशि जमा नहीं कराई है। शिकायत के बाद बीसीएलएल अफसरों को इसकी जानकारी लगी। करीब सात महीने पहले भी यह मुद्दा सामने आया था, लेकिन तब पिछले कुछ महीने की राशि जमा करा दी गई थी। इस बार राशि 14 महीने की हो गई है, जो 1 करोड़ रुपए से अधिक है। बताया जाता है कि संबंधित बस कंपनी आधी राशि जमा कराने को तैयार है, लेकिन ड्राइवर-कंडक्टर पूरी राशि जमा करवाने की बात कह रहे हैं। इसलिए वे बसों का संचालन नहीं कर रहे हैं।

24 रूट पर दौड़ती हैं बसें

भोपाल के 25 रूट पर कुल 368 बसें चलती हैं। ये बसें शहर के सभी एरिया को कवर करती हैं। बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत अधिकांश शहरी इलाकों में चलती है।

कुवैत में आग मामले में 3 भारतीय समेत 8 गिरफ्तार

- 45 भारतीयों की मौत हुई थी, कुवैत सरकार मृतकों के परिवार को 12.5 लाख मुआवजा देगी

मंगाफ (एजेंसी)। कुवैत की इमारत में लगी भीषण आग के मामले में अधिकारियों ने 3 भारतीय, 4 मिस्र के नागरिक और 1 कुवैती को गिरफ्तार किया है। 12 जून को तड़के 6 मंजिला बिल्डिंग में लगी आग में कुल 50 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 45 लोग भारतीय थे। इस बिल्डिंग में 196 कामगार रहते थे, जिनमें से ज्यादातर भारतीय थे। अरब टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए 8 लोगों

को 2 हफ्ते की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। उन पर लापरवाही और हत्या के आरोपों में केस दर्ज किया गया है। कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह ने बुधवार को घोषणा की थी कि पीड़ितों के परिजनों को साढ़े 12 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। कुवैत के सरकारी सूत्रों के मुताबिक, यह पैसे विदेशी कामगारों के दूतावास को दिए जाएंगे, जहां से ये उनके परिजनों तक पहुंचेंगे। मरने वालों में भारत के अलावा फिलिपींस के भी नागरिक थे। कुवैत ने मामले की जांच के लिए एक टीम भी बनाई है। इसे आग लगने का कारण ढूंढने का काम सौंपा गया है। यह हादसा बुधवार सुबह करीब 4.30 बजे हुआ।

संदीप-श्रीति राशिनकर मानव सेवा सम्मान से सम्मानित

इंदौर। अपनी साहित्यिक, सांस्कृतिक और कला साधना से समाज में सकारात्मकता का निर्माण करना महत्वपूर्ण मानव सेवा है ।

साहित्य, संस्कृति और कला के क्षेत्र में अपनी अभिनव और वृहद रचनात्मकता से समाज और राष्ट्र की सेवा करने के उपलक्ष्य में हाल ही में स्व.सौ.सुशीलाबाई शिंदे शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास द्वारा संदीप और श्रीति राशिनकर का संयुक्त सम्मान किया गया । यह सम्मान न्यास के अध्यक्ष पुंडलिकराव शिंदे, उपाध्यक्ष मिलिंद दिघे एवं ऐरेकर द्वारा जयंत कदम की उपस्थिति में किया गया।

विश्व संगीत दिवस पर 'संगीत अनुबोध' और नवागत कलाकारों का प्रोत्साहन मंच

भोपाल। विश्व संगीत दिवस पर स्पिक मैके द्वारा 21 जून को शास्त्रीय और लोक संगीत विशेषज्ञों और गुरुओं का विचार-मंथन 'संगीत अनुबोध' आयोजित किया जारहा है। इसमें एक बेहतर युवा निर्माण में संगीत के महत्व पर चर्चा होगी और स्कूलों में सांगीतिक गतिविधियाँ बढ़ाने पर बात होगी। ये सत्र साउथ टी टी नगर स्थित सेवन हिल्स के सभाग्रह 'मंजरी हॉल' में शाम 4:30 बजे से होगा। इसी दिन युवा शास्त्रीय संगीत और शास्त्रीय नृत्य में शिक्षा ले रहे किशोर-युवा कलाकारों को प्रस्तुति का अवसर देने के चाइल्ड राइट्स ऑब्ज़र्वेटरी मध्यप्रदेश द्वारा अभिनव पहल की जा रही है। 'प्रोत्साहन मंच' नामक इस श्रृंखला में नवोदित कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। ये कार्यक्रम मंजरी हॉल में शाम 6:00 बजे से होगा।

प्रस्तुति देने वाले नवोदित कलाकार हैं: आर्या कलमरकर, आहना कृष्ण पाठक, सिद्धा साई, तान्या शर्मा गायन, मयंक गोस्वामी और घनश्याम चौधरी तबला जुगलबंदी, पूर्वा पतकी वायलिन, और सेवन हिल्स स्कूल के बच्चे गुरुवाणी प्रस्तुत करेंगे। सभी प्रतिभागियों को प्रस्तुति प्रमाण-पत्र भी दिये जाएँगे। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है।

दो ट्रकों की भिड़ंत में चालक की मौत

जबलपुर-कटनी रोड पर पडुआ गांव के पास हुआ हादसा, दूसरा चालक ट्रक छोड़कर फरार

कटनी (नप्र)। कटनी जिले के माधवनगर थाना क्षेत्र में जबलपुर-कटनी रोड पर पडुआ गांव के पास एक खड़े ट्रक में सामने से आ रहे दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे

में ट्रक चालक की मौत हो गई है, जबकि टक्कर मारने वाले दूसरे ट्रक का चालक फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गुरुवार को चालक के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के चरगवां गांव निवासी प्रमोद उर्फ बबलू पिता साहब सिंह (45) ने बुधवार को कटनी-जबलपुर रोड पर पडुआ गांव के पास ट्रक खड़ा किया।

सांसद 45 मिनट देरी से पहुंचे स्कूल, माफी मांगी

अनिल फिरोजिया स्टूडेंट्स से बोले- मुझे कान पकड़कर हाथ खड़े रखने की सजा दोगे तो भी चलेगा

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, इंदिरा नगर के नूतन स्कूल में तय समय से करीब 45 मिनट देरी से पहुंचे। उन्होंने टीचर और छात्राओं से माफी मांगी। बोले, मुझे कान पकड़कर हाथ खड़े रखने की सजा दोगे तो भी चलेगा। सांसद की इस बात पर बच्चों ने ताली बजा दी।

सांसद ने देरी से पहुंचने पर उनका स्वागत - सम्मान कार्यक्रम नहीं होने दिया। जाते ही माइक हाथ में थामकर क्लास लेना शुरू कर दी। उन्होंने बच्चों

से कहा, आपका ध्यान पढ़ाई पर होना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे अर्जुन को मछली की आंख दिखाई दे रही थी। सांसद ने कहा, बड़ा बनाना है तो विनम्र रहना सीखो, गुरु को सम्मान दो, गुस्से पर काबू रखो, पलटकर जवाब नहीं देना चाहिए। धोनी, सचिन, अमिताभ बच्चन से मैंने भी बहुत सीखा है।

छात्रा ने पूछा- आपके और सीएम के जैसे कैसे बन सकती हूं?- क्लास के दौरान छात्रा प्रिया शर्मा ने सांसद से पूछा, मैं राजनीति में आना चाहती हूं, कैसे आपके और सीएम मोहन यादव जैसे बन सकती हूं? इस पर सांसद ने कहा, अभी छोटी हो, पढ़ाई पर ध्यान दो, लेकिन जब कॉलेज में जाओगी, तब वहां आपको कई संगठन मिलेंगे, उन्हें जॉइन करो, समाज सेवा में लगो। पीएम मोदी ने 30 प्रतिशत आरक्षण की बात की है तो आने वाला भविष्य लड़कियों का है, इसलिए खूब मेहनत करके आगे बढ़ो।

राहुल ने कहा-मोदी पेपर लीक मामले को रोकना नहीं चाहते

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट एग्जाम विवाद पर राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा, भारत जोड़ो यात्रा के

बोले-

हर परीक्षा में धांधली, एजुकेशन सिस्टम को भाजपा के लोगों ने कैप्चर किया

दौरान हजारों युवाओं ने पेपर लीक की शिकायत की थी। अब नीट पेपर में घोटाले की बात सामने आई है। यूजीसी-नेट रद्द हो गई है। खबरें थी कि पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन के बीच लड़ाई एक फोन करके रुकवा दी थी। गाजा और इजराइल की लड़ाई भी एक फोन करके रुकवाई थी। कुछ कारणों से नरेंद्र मोदी भारत में पेपर लीक नहीं रोक पा रहे हैं, या रोकना नहीं चाह रहे हैं। राहुल ने कहा कि पेपर लीक के पीछे कारण यह है कि एजुकेशन सिस्टम को भाजपा के पेरेंट ऑर्गेनाइजेशन ने कैप्चर कर लिया है। जब तक इसे पलटा नहीं जाएगा, तब तक पेपर लीक जारी रहेगा। मोदी जी ने यह होने दिया है, जो कि एंटी-नेशनल एक्टिविटी है। नीट यूजी एग्जाम को कैंसिल कराए जाने की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। लखनऊ यूनिवर्सिटी में छात्रों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

तमिलनाडु में जहरीली शराब का आतंक, 34 की मौत

100 से ज्यादा लोगों का इलाज जारी, कलेक्टर-एसपी हटाए गए

कल्लाकुरिची (एजेंसी)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है, जबकि 100 से ज्यादा लोगों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों ने पैकेट में मिलने वाली शराब पी थी। कल्लाकुरिची जिले के करुणापुरम में 18 जून को हुई घटना के पीड़ितों में ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर हैं। शराब पीने के बाद रात होते-होते इन लोगों को दस्त, उल्टी, पेट दर्द और आंखों में जलन होने लगी। पुलिस ने इस मामले में के कन्नूकुट्टी (49) समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। कन्नुकुट्टी के पास से लगभग 200 लीटर जहरीली शराब बरामद हुई, जिसमें

मेथेनॉल मिला हुआ है। कल्लाकुरिची में 12 एम्बुलेंस तैनात हैं। पुलिस के मुताबिक मरने वालों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने पर मौत की असली वजह सामने आएगी। घटना के बाद राज्य सरकार ने कल्लाकुरिची के कलेक्टर-एसपी को हटा दिया है। इनकी जगह एमएस प्रशांत को कलेक्टर और रजत चतुर्वेदी को एसपी नियुक्त किया है। एचसी के वकीलों ने मद्रास हाईकोर्ट से कल्ला कुरिची मामले पर तत्काल सुनवाई करने की अपील की। जस्टिस डी कृष्णकुमार और के कुमारेश बाबू की बेंच 21 जून को इस पर सुनवाई करेगी। मुख्यमंत्री ने केस की जांच के लिए मद्रास हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस बी गोकुलदास की अध्यक्षता में आयोग बनाने का निर्देश दिया है। साथ ही मरने वालों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया है। 20 से ज्यादा लोगों को कल्लाकुरिची मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

शिक्षा मंत्री प्रधान बोले-नीट के साथ समझौता नहीं होगा

एनटीए के लिए हाई कमेटी गठित होगी,जो इसे बेहतर बनाने के लिए सिफारिश देगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट एग्जाम विवाद पर केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नीट एग्जाम के साथ समझौता नहीं होगा। एग्जाम को जीरो एरर बनाया जाएगा। एनटीए के लिए हाई कमेटी गठित होगी, जो इसको और बेहतर करने के लिए सिफारिश देगी। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा के संबंध में हम बिहार सरकार की ओर से लगातार संपर्क में हैं और पटना से हमें कुछ जानकारी भी आ रही है। आज भी कुछ चर्चा हुई है। पटना पुलिस के पास कुछ जानकारी आई जो सबके सामने भी है।

डिटेल्ड रिपोर्ट जल्द भारत सरकार को भेजेंगे। उन्होंने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, चाहे वो एनटीए हो या एनटीए से जुड़ा कोई अधिकारी हो, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मैं आपको ये भी सूचित करना चाहूंगा कि सरकार एक हाई लेवल कमेटी का गठन करने जा रही है।

बिहार में आरक्षण बढ़ाने का फैसला हाईकोर्ट ने किया रद्द

नीतिश सरकार को पटना हाईकोर्ट ने दे दिया तगड़ा झटका

सरकार ने 50 से बढ़ाकर 65 फीसदी किया था आरक्षण

पटना (एजेंसी)। पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के आरक्षण सीमा बढ़ाए जाने के फैसले को गुरुवार को खारिज कर दिया। राज्य सरकार ने शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में एससी-एसटी, ओबीसी और ईबीसी को 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया था। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। पटना हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस केवी चंद्रन की बेंच ने गौरव कुमार और अन्य की याचिकाओं पर 11 मार्च को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि रिजर्वेशन इन कैटेगरी की आबादी की बजाय इनके सामाजिक और शिक्षा में पिछड़ेपन पर आधारित होना चाहिए। बिहार सरकार का फैसला संविधान के अनुच्छेद 16(1) और अनुच्छेद 15(1) का उल्लंघन है। अनुच्छेद 16(1) राज्य के तहत किसी भी कार्यालय में रोजगार या नियुक्ति से संबंधित मामलों में सभी नागरिकों के लिए समानता का अवसर प्रदान करता है। अनुच्छेद 15(1) किसी भी प्रकार के भेदभाव पर रोक लगाता है। सरकार ने आरक्षण का दायरा बढ़ाकर ओबीसी, ईबीसी, दलित और आदिवासियों का आरक्षण 65 फीसदी कर दिया था।

आरक्षण पर आर पार सुप्रीम कोर्ट जाएगी बिहार सरकार

- डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का ऐलान, आरजेडी भी ऐक्टिव

पटना हाईकोर्ट द्वारा बिहार आरक्षण कानून रद्द करने के फैसले पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि राज्य सरकार पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। आपको बता दें पटना हाईकोर्ट के द्वारा बिहार में आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 फीसदी करने के नीतीश सरकार के फैसले को रद्द कर दिए जाने के बाद राज्य की सियासत गर्मा गई है। इस मामले पर आरजेडी ने भी सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे को खट खटाने की बात कही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट नहीं जाएगी तो आरजेडी सुप्रीम कोर्ट जाएगी। आपको बता दें बिहार सरकार के 65 फीसदी आरक्षण बढ़ाने वाले कानून को पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। बीते साल नीतिश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन की सरकार ने जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर ईबीसी, ओबीसी, दलित और आदिवासी का आरक्षण 65 परसेंट कर दिया था।

चलती कुशीनगर एक्सप्रेस से युवक को धक्का दिया

भोपाल रेलवे स्टेशन की घटना, सीट को लेकर हुआ था विवाद

भोपाल (नप्र)। भोपाल रेलवे स्टेशन का चलती ट्रेन से एक युवक को धक्का दिए जाने का रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। 22538 छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से गोरखपुर की ओर जाने वाली कुशीनगर एक्सप्रेस बुधवार को प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची थी। पांच मिनट रुकने बाद जैसे ही स्टेशन से रवाना हुई जनरल कोच से एक यात्री ने दूसरे यात्री को धक्का दे दिया।

वीडियो बुधवार (19 जून) का है। दोपहर करीब 2 बजे कुशीनगर एक्सप्रेस भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर आई। इस दौरान सीट के विवाद को लेकर दो युवकों में झगड़ा हुआ। एक युवक ने दूसरे को चलती ट्रेन से नीचे धकेल दिया। इस घटना से पीड़ित युवक को कोई चोट नहीं आई है। आरपीएफ कमांडेंट प्रशांत यादव ने बताया कि यह घटना बुधवार की है। युवक नर्मदापुरम से विदिशा जाने के लिए कुशीनगर एक्सप्रेस में चढ़ा था। दर किसी अन्य युवक से सीट को लेकर विवाद हुआ। अंदर मौजूद युवक ने उसे चलती ट्रेन में से धक्का दे दिया। उसे कोई चोट नहीं आई। युवक ने एफआईआर कराने से भी मना कर दिया। वो दूसरी ट्रेन से विदिशा चला गया। हम सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी युवक की तलाश कर रहे हैं। अभी मामले में जांच जारी है।

बुजुर्ग से रेप, रेलवे स्टेशन से उठा ले गया बदमाश

उज्जैन में रिपोर्ट दर्ज कराने दिनभर जीआरपी थाने में बैठी रही

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में 70 साल की बुजुर्ग महिला से रेप का मामला सामने आया है। महिला को बदमाश रेलवे स्टेशन से उठा ले गया। टूटे हुए रेलवे क्वार्टर में ले जाकर रेप किया। घटना बुधवार सुबह की है। महिला केस दर्ज कराने के लिए दिन भर जीआरपी थाने में बैठी रहीं। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद देर रात एफआईआर लिखी।

पीड़ित बीना की रहने वाली हैं। वे अपने बेटे के साथ काम की तलाश में उज्जैन आई थीं। रात होने पर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-8 पर सो रही थीं। उन्होंने पुलिस को बताया कि सुबह 6 बजे एक बदमाश आया और उन्हें जबरन अपने साथ ले गया। वह उन्हें नीलगंगा वाली साइट में तोड़े गए रेलवे क्वार्टर के पास लेकर पहुंचा। यहां रेप कर भाग गया। महिला ने बेटे के साथ जीआरपी थाने पहुंचकर शिकायत की।

प्रदेश में विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण के कार्यों की केन्द्रीय बोर्ड के सदस्य श्री पटनी ने की सराहना

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण के लिये किये जा रहे कार्यों की केन्द्रिय सरकार के विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदायों के विकास एवं कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री भरतभाई बाबूभाई पटनी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है जिसके द्वारा विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु के विकास और कल्याण के लिये पृथक विभाग के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। श्री पटनी गुरूवार को मंत्रालय में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर के साथ विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदायों के विकास और कल्याण के लिये राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों पर चर्चा कर रहे थे।

केन्द्रीय बोर्ड के सदस्य श्री पटनी ने कहा कि मध्यप्रदेश में विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदायों के विकास और कल्याण के लिये कार्यक्रमों और योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्री श्रीमती गौर द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन में बोर्ड से सहयोग की अपेक्षा की गई है। बोर्ड द्वारा राज्य सरकार को योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये जरूरी राशि उपलब्ध कराई जायेगी। अपर मुख्य सचिव विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु श्री अजित केसरी ने विभाग द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। बैठक में संचालक विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु विभाग श्री नीरज वशिष्ठ भी उपस्थित थे।

मक्का में भोपाल के हज यात्री की गर्मी से मौत

मुंबई से सऊदी 5 जून को रवाना हुए जत्थे में गए थे, सऊदी ने दो यात्रियों की दी मौत की रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। हज यात्रा पर गए भोपाल के एक हाजी की मक्का में हीट वेब से मौत हो गई। इसके साथ ही हज के दौरान मक्का में मध्यप्रदेश के हाजी की मौत की संख्या 2 हो गई है। इसकी पुष्टि मप्र हज कमेटी के कंट्रोल रूम में तैनात अफसरों ने की है। मप्र हज कमेटी कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के मुताबिक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कोहेफिजा में रहने वाले 72 वर्षीय सैय्यद मुमताज हसन की मृत्यु 14 जून को मक्का में हुई है। वह 5 जून को मुंबई से सऊदी के लिए रवाना हुए थे। कंट्रोल रूम के अफसरों के मुताबिक सैय्यद मुमताज हसन की मौत मक्का में गर्मी के कारण हुई है। उनकी अंतिम क्रिया मक्का में कर दी गई है। इसके अलावा हज यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश के शहडोल की रहने वाली एक महिला हाजी राबिया बेगम की मौत भी गर्मी के कारण हुई है। वह हज यात्रा पर मप्र से गई थी।

मुमताज हसन पत्नी के साथ गए थे हज- हज कमेटी कंट्रोल रूम के अफसरों ने बताया कि सैय्यद मुमताज हसन हज यात्रा पर 68 वर्षीय पत्नी सीमा मुमताज हसन के साथ गए थे। उन्हें हज यात्रा के तय शेड्यूल के अनुसार 17 जुलाई को भारत वापस लौटना था।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों में भी आयोजित हो विशेष कार्यक्रम : मंत्री श्री पटेल

पंचायतों को स्वावलंबी बनाना है विभाग का प्राथमिक उद्देश्य

भोपाल (नप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने वर्चुअली विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी ज़िलों के जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा कर ज़िलों के ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मलय श्रीवास्तव, संचालक पंचायत राज श्री मनोज पुष्प, आयुक्त मनरेगा श्री कृष्ण चैतन्य सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए वृक्षारोपण एवं जीर्णोद्धार कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि ज़िलों में रोपे गए पौधों का शत-प्रतिशत सर्वाइवल रेट सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में भी यह अभियान निरंतर रूप से चलना चाहिए, जिससे खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में संरक्षित

रह सके। सभी ज़िले अपनी सीमा में स्थित नदियों के उद्गम स्थल का विशेष ध्यान दें एवं प्रयास करें कि जन जागरूकता के माध्यम से उद्गम स्थलों का उचित रख-रखाव एवं देखभाल हो सके।

ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय भवनों में किए जाएं रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग- मंत्री श्री पटेल ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सभी शासकीय भवनों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग की समुचित व्यवस्था की जाए जिससे वर्षा का जल ज़मीन में उतारा जाकर संरक्षित किया जा सके। नगरीय क्षेत्र की पाँच किलोमीटर की परिधि में आने वाली ग्राम पंचायत तथा नेशनल हाईवे एवं स्टेट हाईवे पर स्थित बड़ी ग्राम पंचायतों को भी सुनियोजित विकास के दृष्टिकोण के साथ विकसित करना होगा। इस पर भी कार्य नीति तैयार की जाए।

रूरल टूरिज्म को मिले बढ़ावा

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों को स्वावलंबी बनाना हमारा प्राथमिक उद्देश्य है। इसके लिए सबसे ज़रूरी है ग्रामीण क्षेत्रों का आर्थिक सशक्तीकरण करने के लिये विभाग को इस दिशा में विशेष प्रयास करने होंगे। रूरल टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जाना ज़रूरी है। हमें पर्यटन केंद्रों के समीप ग्रामीण क्षेत्रों में होम स्टे की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना होगा। मंत्री श्री पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर पर भी स्कूलों में योग दिवस कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री पटेल ने मनरेगा योजना अंतर्गत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। पैसा अधिनियम के अंतर्गत गठित समितियों के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराए गए कंप्यूटर सामग्री तथा ब्रॉडबैंड उपलब्धता की स्थिति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

भोपाल में दिनदहाड़े घर में घुसकर महिला से लूट

आंख में मिर्च झोंककर बुरके वाली महिला ने की वारदात

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में स्थित नूर महल में दिनदहाडे घर में घुसकर लूट का मामला सामने आया है। वारदात को बुरके में आई महिला ने अंजाम दिया है। पीड़िता की आंखों में मिर्च झोंकी गई थी। चीख न सके इसके लिए मुंह में भी मिर्च भर दी गई। फर्श पर गिराने के बाद आरोपी महिला ने पीड़िता के हाथ में पहने सोने के दो कड़े और एक अंगूठी छीन ली। महज ढाई मिनट में वारदात को अंजाम देकर आरोपी महिला फरार हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शाहजहानाबाद थाने के टीआई यूपीएस चौहान ने बताया कि रिजवाना हुसैन पत्नी अथहर हुसैन (63) अली अपार्टमैंट नूर महल में रहती हैं। उनके पति सिल्वर लाइन हॉस्पिटल में मैनेजर हैं। गुरुवार की दोपहर महिला घर में अकेली थीं। उनका इकलौता बेटा भी जॉब पर गया हुआ था। तभी किसी ने फ्लैट की डोर बेल को बजाया। महिला द्वारा गेट खोलते ही आरोपी महिला घर में घुस आई। उसने पीड़िता के आंख में मिर्च झोंक दी। मिर्च महिला मुँह में भी चली गई। इससे वह शोर नहीं मचा सकीं। इसके बाद आरोपी महिला ने डरा धमकाकर महिला के जेवरात लेकर फरार हो गई। जेवरात कितनी कीमत के थे और कितने थे इसका फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। मामले की जांच कर रहे हैं, इसके बाद आगे कार्रवाई करेंगे। घटना स्थल पर निरीक्षण करते टीआई यूपीएस चौहान और एसआई पवन सेन सहित थाना शाहजहानाबाद की पुलिस टीम।

चौकीदार बोले हर रोज सैंकड़ों लोगों का आना-जाना है

नूर महल के जिस अली अपार्टमेंट में वारदात हुई है, वहां दो दर्जन से अधिक फ्लैट हैं। बिल्डिंग की ग्राउंड फ्लोर पर वृद्ध दद्दा मियां रहते हैं। बिल्डिंग की चौकीदारी का जिम्मा इन्ही पर है। उन्होंने बताया कि वारदात के समय वह ग्राउंड फ्लोर में स्थित अपने फ्लैट में ही मौजूद थे। अपार्टमेंट में 28 फ्लैट हैं। घनी बस्ती के बीच बने इस अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के घर ईद के चलते हर रोज सैकड़ों लोगों का आना जाना है। बुरके में आई महिला ने कब वारदात की मुझे पता भी नहीं लगा। जहां वारदात हुई उसके पड़ोस के दो फ्लैट खाली हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि सामने वाले फ्लैट में एक परिवार रहता है। उसने बताया कि उन्हें कोई शोर शराबे की आवाज सुनाई नहीं दी थी। रिजवाना के पति और बेटे के आने पर वारदात का पता लगा।

पीड़िता के पति बोले कड़े-अंगूठी छीनी

रिजवाना के पति अथहर हुसैन ने बताया कि पत्नी दोपहर के समय में आमतौर पर अकेले ही घर में रहती हैं। गुरुवार की दोपहर 12:48 बजे उनके दूसरी मंजिल स्थित फ्लैट की डोर बेल को किसी ने बजाया। पत्नी ने गेट खोला तो सामने महिला खड़ी थी। उसने तत्काल पत्नी की आंख में मिर्च झोंक दी। शोर न कर सके इस कारण महिला ने पत्नी के मुंह में भी मिर्च जबरन ठूंस दी।

इसके बाद आरोपी महिला ने पत्नी के हाथ में पहने दो कंगन और एक सोने की अंगूठी उतार ली। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। महज ढाई मिनट के भीतर वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी महिला 12:51 के आस पास लौट गई।

आरोपी महिला घर में दाखिल होते समय बुरका पहने हुए थी। लौटते समय उसने बुरका उतार लिया था। महिला पहले से हाथ में एक पालिथीन लेकर आई थी। आरोपी महिला के अपार्टमैंट में सीसीटीवी कैमरों में फुटेज कैद हुए हैं। घटना के तत्काल बाद पत्नी ने मुझे कॉल कर जानकारी दी। हुलिया के आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

खुद को पुलिसकर्मी बताकर हमीदिया में घुसे दो युवक

मरीज की मांग रहे थे जानकारी, डॉक्टर ने मांगा आई कार्ड तो भाग गए

भोपाल (नप्र)। हमीदिया अस्पताल में बीती रात खुद को पुलिसकर्मी बताकर दो संदिग्ध युवकों का इमरजेंसी वार्ड में घुसने का मामला सामने आया है। दोनों ने डॉक्टर से एक मरीज के बारे मे पूछताछ की। शक होने पर डॉक्टर ने जब उनसे पूछताछ कि तो वे भाग गए। मामले की शिकायत कोहेफिजा थाने में की गई है।

घटना गुरुवार रात की है। सीएमओ डॉ. मनोज राजे ने बताया कि रात 10:10 बजे मैं अपने कक्ष में बैठा था। दो लोग सीधे मेरे पास आए। उन्होंने कहा कि वे सागर से आए हैं। उन्होंने एक मरीज के बारे में पूछा। वे बदतमीजी से बात कर रहे थे। उनका लहजा धमकाने वाला था। उनके हावभाव देखकर लगा कि पुलिसकर्मी नहीं है। उनसे पूछा कौन से थाने से हो तो वे बता नहीं पाए। यह मरीज ओपी छेत्रपाल के बारे में में पूछ रहे थे। वे अपना आई कार्ड भी नहीं दिखा पाए। मैंने सिक्योरिटी को आवाज लगाई तो एक भाग गया। दूसरे युवक से जब सुरक्षाकर्मियों ने पूछताछ की तो वह खुद को पुलिसकर्मी बताता रहा। उसके पास मरीज छत्रपाल के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं मिला। थोड़ी देर बाद वो भी मौका देखकर भाग गया।

मरीज को बताया अपराधी

हमीदिया अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि जब दोनों से पूछताछ की जा रही थी तो वह संबंधित मरीज को अपराधी बता रहे थे। उन्होंने कहा कि मरीज पर रैप के चार्जेज हैं। वह छत से कूद गया था जिसके बाद यहां लगा गया था। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि इस नाम के मरीज को डिस्चार्ज किया जा चुका है। वह सामन्य मरीजों की तरह ही आया था। इस पूरे घटनाक्रम में हमीदिया अस्पताल सिक्योरिटी का भी फैलियर नजर आ रहा है, कि पूछताछ के दौरान वह दोनों वहां से कैसे फरार हो गए।

पुलिस ने कहा

खुद को पुलिसकर्मी बताकर दो लोग यहां पहुंचे थे। मामले की शिकायत हमीदिया अस्पताल प्रबंधन ने की है। अभी मामले की तस्दीक की जा रही है। **बृजेंद्र मर्सकोले, थाना प्रभारी कोहेफिजा**

भोपाल जिपं सीईओ के विरुद्ध लामबंद उपाध्यक्ष-सदस्य

आज सामूहिक इस्तीफा देंगे; उपाध्यक्ष बोले- सीईओ की मनमानी, बैठकें भी नहीं करते

भोपाल (नप्र)। भोपाल जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह के विरुद्ध पूरी बॉडी लामबंद हो गई है। उपाध्यक्ष समेत सभी सदस्यों ने कल, शुक्रवार को सामूहिक रूप से इस्तीफा देने का फैसला लिया है। उपाध्यक्ष मोहनसिंह जाट ने कहा कि सीईओ मनमानी कर रहे हैं। सड़क समेत अन्य निर्माण कार्य मंजूर नहीं करते। जिला पंचायत की बैठकें भी नहीं की जाती है। इसलिए आज इस्तीफे देंगे। सदस्य अनिल हाड़ा ने बताया, केंद्रीय ग्रामीण एवं विकास मंत्री और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, मप्र के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के बंगलों पर इस्तीफा देने जाएंगे। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत सभी सदस्य शामिल हैं। इस मामले में सीईओ सिंह का कहना है कि सभी सदस्यों से विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की जाती है। नाराजगी जैसी बात नहीं है।

भोपाल मेट्रो के 2 स्टील ब्रिज, एक का स्ट्रक्चर पूरा

रेलवे ट्रैक पर बिछने वाले ब्रिज के लिए ब्लॉक मांगा; 103 मीटर है दोनों की लंबाई

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मेट्रो के लिए 103 मीटर के दो स्टील ब्रिज बनाए जा रहे हैं। इनमें से एक का स्ट्रक्चर 70 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। दूसरा ब्रिज रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। इसके लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन ने ब्लॉक के लिए रेलवे को लेटर लिखा है। जुलाई में ब्लॉक मिल सकता है। इसके बाद दोनों ब्रिज पिलर के ऊपर रख दिए जाएंगे।

मेट्रो अफसरों का कहना है कि उनकी पूरी तैयारी है। जैसे ही ब्लॉक मिलेगा, काम शुरू कर देंगे। ब्रिज राजस्थान के अलवर में बने हैं। ये दिल्ली मेट्रो जैसे ही डिजाइन किए गए हैं।

मार्च में काम की शुरुआत हुई

बता दें कि जनवरी-फरवरी में ब्रिज के पार्ट्स अलवर से भोपाल आ गए थे। जिन्हें मार्च में असेंबल करना शुरू किया गया। मार्च में काम की शुरुआत की गई। साढ़े 3 महीने से रास्ता भी डायवर्ट किया गया है। दूसरी ओर, डीआरएम ऑफिस तिराहे की सड़क के ऊपर ब्रिज के पॉर्ट्स असेंबल किए जा रहे हैं।

इतने लंबे-चौड़े स्टील ब्रिज...

ब्रिज-1 - रेलवे ट्रैक पर 65 मीटर लंबा ब्रिज

आरकेएमपी से डीआरएम ऑफिस के बीच रेलवे लाइन है, इसलिए 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज असेंबल हो रहा है। दोनों ओर पिलर खड़े हो चुके हैं। रेलवे के ब्लॉक के बाद इन्हें ब्रिज को रखा जाएगा। ब्रिज की चौड़ाई 15 मीटर है,

जबकि ऊंचाई 14 मीटर रहेगी। ताकि, नीचे ट्रेनें आसानी से गुजर सके।

ब्रिज-2 - डीआरएम चौराहा

रेलवे क्रॉसिंग के बाद दूसरा ब्रिज डीआरएम ऑफिस चौराहे पर बन रहा है। इसकी लंबाई 48 मीटर और चौड़ाई 8 मीटर रहेगी। यह भी 14 मीटर ऊंचा रहेगा। ब्रिज बनने के बाद नीचे गाड़ियां निकलेगी तो ऊपर मेट्रो गुजरेगी। इस ब्रिज का स्ट्रक्चर बनकर कम्पलीट हो चुका है।

रेलवे तय करेगा ब्लॉक का शेड्यूल

मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों का कहना है कि पिलर तैयार हो चुके हैं। इनके ऊपर ही स्टील ब्रिज को रखा जाएगा। इसमें 3 से 4 घंटे लेंगे। ऐसे में ट्रैक से ट्रेनें नहीं गुजर सकेगी। इसलिए रेलवे ब्लॉक का शेड्यूल तय करेगा। ऐसे में कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। लेटर लिखने के बाद शेड्यूल तय होने का इंतजार कर रहे हैं। उधर, रेलवे ने भी ब्लॉक के लिए वरिष्ठ कार्यालय को पत्र लिखा है।

एमपीएल में सोम डिस्टलरी की स्पॉन्सरशिप पर कांग्रेस के सवाल

विवादित कंपनी को स्पॉन्सर बनाने के मामले पर प्रदेश सरकार से मांगा जवाब

भोपाल (नप्र)। ग्वालियर में चल रही मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग की स्पॉन्सरशिप को लेकर विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस ने बाल श्रम के मामले में गंभीर आरोपों से घिरी शराब कंपनी सोम डिस्टलरी को एमपी प्रीमियर लीग में स्पॉन्सर बनाने पर ज्योतिरादित्य सिंधिया, खेल मंत्रालय और प्रदेश के मुख्यमंत्री से जवाब मांगा है।

मप्र कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अब्बास हफीज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महानआर्यमन की लॉन्चिंग के लिए एमपी प्रीमियर लीग को एक लॉन्चपैड की तरह तैयार किया गया। कांग्रेस नेता ने कहा ऐसी विवादित कंपनी को स्पांसर बनाने के मामले पर मप्र सरकार, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और खेल मंत्रालय को जवाब देना चाहिए।

सोम डिस्टलरी की स्पॉन्सरशिप क्यों ली कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज ने कहा- एमपी लीग के नाम से कराई जा रही क्रिकेट प्रतियोगिता सिंधिया जी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। लेकिन, दुखद बात यह है कि प्रदेश में जिस कंपनी के ऊपर गंभीर आरोप लगे हैं उसे इसका मुख्य स्पॉन्सर बनाया गया है। क्या इसी वजह से कार्रवाई नहीं हो रही है?

एमपीएल की वजह से छोड़ा जा रहा है?- अब्बास हफीज ने पूछा कि आखिर ऐसी कंपनी से स्पॉन्सरशिप क्यों लेनी पड़ी? या उस कंपनी को स्पॉन्सरशिप देने के लिए मजबूर किया गया है। ऐसी कंपनी को उसका स्पॉन्सर बनाया गया है, जो आर्थिक अनियमितताओं, बाल श्रम के मामले में शामिल है। ऐसी कंपनी जिस पर अब तक कार्रवाई हो जानी चाहिए थे उस कंपनी को छोड़ा क्यों गया?

सिंधिया जवाब दें- अब्बास ने कहा-क्या सिंधिया जी इस पर जवाब देंगे, क्या खेल मंत्रालय से इस पर कोई जवाब आएगा? हम चाहते हैं कि सरकार स्पष्टीकरण दे और वे लोग स्पष्टीकरण दें जिन लोगों ने ऐसा कार्यक्रम बनाया?

संपादकीय

नेट रद्द, नीट कब निरस्त होगी?

ऐसा लगता है कि इस देश में अब कोई भी प्रतियोगी परीक्षा फर्जीवाड़े से अछूती नहीं रह गई है। मोदी सरकार ने बुधवार को यूजीसी नेट परीक्षा को परीक्षा सम्पन्न होने के दूसरे ही रद्द कर दिया। कहा गया कि इसमें कुछ गड़बड़ी के सूत्र मिले हैं, इस कारण इसे रद्द किया जा रहा है। यह परीक्षा भी एनटीए ही आयोजित करती है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 18 जून, 2024 को देश भर में दो शिफ्टों में पेन और पेपर मोड में यूजीसी-नेट जून 2024 की परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा के अगले ही दिन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को गृह मंत्रालय के इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर से परीक्षा के बारे में कुछ इनपुट मिले, जिनके विश्लेषण से प्रथम दृष्टया लगता है कि इसमें गड़बड़ी हुई है। मंत्रालय ने परीक्षा रद्द करते हुए इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। इसका अर्थ यह है कि देश भर के करीब 9 लाख छात्रों को फिर से यह परीक्षा देनी होगी। गौरतलब है कि देश भर की यूनिवर्सिटीज में जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और असिस्टेंट प्रोफ़ेसर पद के लिए लाखों बच्चे यह परीक्षा देते हैं।

यह परीक्षा साल में दो बार जून और दिसंबर के महीने में होती है। इस बार यह परीक्षा दो शिफ्ट में हुई थी। एनटीए यह परीक्षा 2018 से आयोजित कर रही है। यह वही एनटीए है, जो नीट में भारी धांधली के कारण विवादों में है। यहां सवाल यह है कि परीक्षा में धांधली के मामले में मोदी सरकार के अलग अलग मापदंड क्यों हैं? नीट में तो 24 लाख बच्चों ने देश भर के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए परीक्षा दी थी। इस परीक्षा जब 67 परीक्षार्थियों को सौ फीसदी नंबर मिले। इनमें से भी कई तो एक ही सेंटर के थे। इसके बाद सभी के कान खड़े हो गए। इस बीच पेपर देरी से बंटने और गलत उत्तर के मामले में एनटीए ने बिन मांगे छात्रों को ग्रेस मार्क्स दे डाले। इससे भी छात्र बिफर गए। इस बीच गुजरात, बिहार और अन्य कुछ राज्यों से यह खबर आ रही है कि वहां परीक्षा के एक दिन पहले ही लाखों रूपए लेकर पेपर बेचे गए। पुलिस जांच में और भी कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। कई प्रभावित छात्र इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने कोर्ट से नीट परीक्षा रद्द करने तथा पूरी धांधली की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। जो बातें सामने आ रही हैं, उससे यही सिद्ध होता है कि नीट परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है और पहले भी होती रही है। परीक्षा माफिया, कोचिंग माफिया, एनटीए के कुछ लोग भी इस रैकेट में शामिल हैं। ऐसे में यदि नीट परीक्षा को माना जाता है तो उन हजारों बच्चों के हितों पर कुठाराघात होगा, जो बड़ी मेहनत के साथ इस भरोसे में परीक्षा की तैयारी कर रहे थे कि उन्हें बेहतर रैंक मिलेगा तो अच्छे कॉलेज में प्रवेश मिल जाएगा। इस बीच एनटीए और केन्द्र सरकार का रवैया बहुत संतोषजनक नहीं है। वो अभी भी यह कह रहे हैं कि गड़बड़ी के सबूत होने पर छात्र पुलिस को प्रमाण दें। लेकिन जो ठोस प्रमाण और छात्रों का कबूलनामा पुलिस को मिला है, क्या यह साबित करने के लिए काफी नहीं है कि नीट परीक्षा में बड़े पैमाने पर पैसे का खेल और ईमानदार परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। सरकार को चाहिए कि वह हर कीमत नीट व नेट परीक्षा की पवित्रता को कायम रखे।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर हैं।

सभ्यता का सोपान है योग

भारतीय योग अब मार्किट वैल्यू पर आधारित जब बनने जा रहा है तो वैल्यूज के लिए योग की कीमत कम होगी वैल्यू के लिए अधिक होगी। जब कीमत किसी चीज की लगने लगती है तो वहां केवल मुनाफे के लिए दिमाग काम करते हैं। वह न तो संस्कृति के हिस्सा होते हैं और न ही संस्कार के। ऐसे में योग के विषय में भारत को यह चिंता करना होगा कि यह कैसे कॉर्पोरेट की चंगुल में न जाए। इसे नदियों, सरोवरों की शुद्ध जलवायु में शामिल कर जीवन की अनिवार्य जीवन शैली में सम्मिलित करना ही होगा। हमारे देश में नमामि गंगे के माध्यम से एक बार सबका झुकाव हुआ था लेकिन यह योजना केवल गंगा को साफ़ करने में समाप्त कर दिया गया। गंगा के किनारे जगह-जगह यदि योग शिविर विकसित किये गए होते तो गंगा भी सुरक्षित होती और हमारे भारत के युवा जीवन को भी संजीवनी मिलती।

विश्व योग दिवस भारत के लिए गर्व की बात है। वैश्विक स्तर पर भारत योग की वजह से प्रतिष्ठित हुआ है। योग दिवस पर योग के लिए लिए जा रहे शपथ भारत को योग में समर्थ नहीं बना सकेंगे। बल्कि यदि भारत की युवा पीढ़ी अपने जीवन में योग को लाएगी तो ही इस देश में योग का फायदा मिलेगा। महर्षि पतंजलि ने जिस योग सूत्र की कल्पना की थी वह हमारे जीवन आचरण का अंग था। अब योग को कॉर्पोरेट घराने मार्किट के रूप में देख रहे हैं। यह कॉर्पोरेट के लोग लगता है आने वाले समय में ज्यादा फायदे में रहेंगे क्योंकि बिगड़ता जलवायु संतुलन हमारी पृथ्वी की नींद खराब कर रखा है। ये जो कॉर्पोरेट माइंडसेट के जीव घूम रहे हैं, वे कोई न कोई उपाय ढूँढ़ निकालेंगे कि इसे कैसे मार्किट का विषय बनाकर बेचा जा सकता है।

भारतीय योग अब मार्किट वैल्यू पर आधारित जब बनने जा रहा है तो वैल्यूज के लिए योग की कीमत कम होगी वैल्यू के लिए अधिक होगी। जब कीमत किसी चीज की लगने लगती है तो वहां केवल मुनाफे के लिए दिमाग काम करते हैं। वह न तो संस्कृति के हिस्सा होते हैं और न ही संस्कार के। ऐसे में योग के विषय में भारत को यह चिंता करना होगा कि यह कैसे कॉर्पोरेट की चंगुल में न जाए। इसे नदियों, सरोवरों की शुद्ध जलवायु में शामिल कर जीवन की अनिवार्य जीवन शैली में सम्मिलित करना ही होगा। हमारे देश में नमामि गंगे के माध्यम से एक बार सबका झुकाव हुआ था लेकिन यह योजना केवल गंगा को साफ़ करने में समाप्त कर दिया गया। गंगा के किनारे जगह-जगह यदि योग शिविर विकसित किये गए होते तो गंगा भी सुरक्षित होती और हमारे भारत के युवा जीवन को भी संजीवनी मिलती।

अब जलवायु का संकट विश्व में बड़े पैमाने पर खड़ा हो गया है। हमारे देश में भी तापमान में जो बढ़ोतरी देखी जा रही है वह इस वर्ष थोडा कम है। अगले वर्ष का तापमान क्या होगा, सोचें जरा! हिंदुस्तान में इतनी गर्मी कभी नहीं थी, ऐसा हमारे बुजुर्ग बता रहे हैं। उनका दावा है कि हमारे बाग़ बगीचे ख़त्म हो गए। नदियाँ या तो मैली हो गयीं या तो सिकुड़ गयीं हैं। इससे यह तापमान बढ़ा है। फिलहाल भारत की मिडिया रोज चिल्ला रही है कि प्रतिदिन हीटस्ट्रोक से लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। अभी भारत का चुनाव ख़त्म हुआ है। लोक सभा चुनाव के दौरान हीटस्ट्रोक से कई लोगों ने अपनी जान गंवा दी। आये दिन पूरे भारत से यह सुनने में आ रहा है कि हीटस्ट्रोक से अचानक लोगों की जान जा रही है। हर राज्य त्राहिमाम की स्थिति में है। इससे यह पता चल रहा है कि हमारे स्वास्थ्य कितने ख़राब हैं। जरा सी भी गर्मी और बढ़ी तो नई उम्र के लोग भी अपनी जान गंवा देंगे। फिर कैसा है इम्यून सिस्टम

यह समझने की ज़रुरत है। हीटस्ट्रोक ने हमारे इम्यून सिस्टम के सच को सामने ला दिया है। कोविड महामरी आने के बाद देश में इम्यून सिस्टम को हमने देख लिया। अब जब हीटस्ट्रोक का मामला सामने आया है तो भी अच्छे भले दिखने वाले लोग चुटकियों में अपने जीवन लीला सड़े हाथ धो रहे हैं। इससे चिंता की बात यह है कि भारत में भी कोई ऐसा सुरक्षा चक्र मौजूद नहीं है जो हमारे मानव संसाधन को मजबूत बना सके। उनके जीवन की गारंटी ले सके।

कृत्रिम जीवन, कृत्रिम हंसी, कृत्रिम विकास, कृत्रिम दावे न तो जीवन के सातत्य को बना सकते हैं और न ही जीवन की गारंटी ले सकते हैं। ऐसे में योग जो भारत की विरासत में मिला एक जीवन-आचरण के लिए उपहार है, उसे भारतीय बच्चों, युवाओं और सभी जनमानस में शामिल करने की आवश्यकता है। कृत्रिम जीवन में शामिल हो चुके युवा अब न तो गर्मी सहने में सक्षम है और न ही ठंढी। वे सुख और लालसा के वसीभूत होकर अपने जीवन को उपभोगवादी बना रहे हैं। भारत की 60 प्रतिशत युवा आबादी यदि गर्मी, ठंड और बरसात सहने से कतराने लगेगी या सहने में कमजोर जो जाएगी तो भारत का भविष्य सुरक्षित तो नहीं है। इसलिए कृत्रिम जीवन का त्याग और प्रकृति के संग जीने की आदत डालने के लिए प्रयास होना आवश्यक है। योग कम से कम इस जीवन शैली को विकसित करते थे लेकिन अब तो भारत में योग के दिन ई-शपथ हो रही है। यह ई-शपथ इस चीज को सुनिश्चित करने के लिए हो रही है कि हम सपरिवार योग कर रहे हैं। यह एक गूगल फॉर्म आता है उसी के माध्यम से कर ली जा रही है। गूगल में भरिये और ई-सर्टिफिकेट को सुरक्षित करके उसे अपने सोशल मिडिया पर शेयर कर दीजिए। उत्तर प्रदेश की कुछ यूनीवर्सिटी के कॉलेज से ऐसे मैसेज किये जा रहे हैं कि यह ई-सर्टिफिकेट आप ज़रूर सुरक्षित कर लें। कॉलेज या यूनिवर्सिटी इसको आपसे कभी भी मांग सकती है। यह एक फर्जीवाड़ा है। यह योग का मजाक है। यह जो संस्थाएं करवा रही हैं, वे योग का मजाक कर रही हैं। योग कृत्रिम नहीं है। यह जीवन आचरण है। कृत्रिम बुद्धि से ईजाद किया गया योग कभी भी न तो गर्मी से बचाएगा और न धंध व बरसात से सुरक्षित कर सकेगा। सोचने वाली बात यह है कि आज हम एक झूठ व आडम्बर पर आधारित जीवन शैली जीने के शिकार हो चुके हैं। अब चाहे तापमान बढ़े या अतिशय ठंडी बढ़ जाए, बचाव की कोई गुंजाइश इसमें नहीं है।

वैश्विक आपात स्थिति से निपटने के लिए अन्तरराष्ट्रीय सहयोग को मज़बूती प्रदान किए जाने के आहवान किये जा रहे हैं। जून महीने में ही, एक बार फिर भारत, संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के विशाल परिसर में योग अभ्यास के लिए बड़ी संख्या में प्रतिनिधि, कर्मचारी आम नागरिक व अन्य लोग जुटते हैं। योग से होने वाले शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक लाभ के प्रति जागरूकता का प्रसार करते हैं। यह सब ठीक है लेकिन योग से कैसे पूरा विश्व स्वस्थ संसार में रहने के योग्य हो, इसके लिए कोई रोमांचकारी योजना आज भी विश्व के पास नहीं है। सब एक बार 21 जून को शोर में शामिल हो जाएंगे और देर रात सोने के साथ सब भूल जाएंगे तो इससे योग की महत्ता न तो बढ़ेगी और न ही लोगों का चित, मन व इन्द्रियां स्वस्थ होंगी। जिस प्रकार से विश्व में तापमान बढ़ा है। हीटस्ट्रोक के मामले प्रकाश में आये हैं। लोगों की मौतें हुई हैं, उसको कम से कम भारत सर्कार को चुनौती के रूप में लेना चाहिए। नमामि गंगे योजना के साथ योग को जोड़कर गंगा तट पर ऐसे असंख्य केंद्र निर्मित करने की आज आवश्यकता है जो हमारे भारतीय जनमानस को सभी बीमारियों व चुनौतियों से लड़ने के लिए, सहने के लिए और भारत को प्रगति पर ले जाने के लिए मजबूत बना सकें। कतिपय कारणों से यदि ऐसी योजनायें भारत सरकार ऐसे प्रभवकारी जीवन-सातत्यकारी लक्ष्यों को लेकर नहीं चली तो भार जिंदा ज़रूर रहेगा लेकिन हम एक बीमार और नाजुक जीवन जीने वाले भारत के नागरिक बनकर रह जाएंगे। योग-सभ्यता का सोपान है, इसे संजोकर रखना भारत की नैतिक जिम्मेदारी भी है, इसे हमें नहीं भूलना चाहिए।

योग दिवस विशेष

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

योगेन चित्तस्य पदेन वाचां। मलं शरीरस्य च वैद्यकेन॥

कुछ ऐसा है कि हम हमारी ही बातों को तब मानते हैं जब वे पश्चिम से होकर वापस आती हैं। ऐसा कई बार और कई पक्षों के साथ हुआ है। नीम, हल्दी का दूध, आयुर्वेद हमारे मसाले, तौर तरीके, योग, प्राणायाम आदि ऐसे पहलू है जो भारतीयता की ही विश्व को देन हैं। हम लंबे समय तक इन व इनके जैसे कई भारतीय पक्षों को ठीक ढंग से नहीं अपनाते थे। आज यह सब हमसे ज्यादा विदेशों में लोग उच्च दाम देकर अपना रहे हैं। भारत में भी इनका दबदबा बढ़ने लगा है। योग इसमें सर्वप्रथम आता है। किसी जमाने में योग को सिर्फ साधु, महात्मा लोगों के लिए ही माना जाता था लेकिन समय के साथ योग भारत में भी उतना ही लोकप्रिय हो गया। आज योग पर कई पुस्तकें, चैनल, ब्लॉग, केन्द्र खुल गए हैं। पतंजलि के योग सूत्र से आज की जनता रूबरू है। एक ऐसा ज्ञान जो हमें शारीरिक स्तर पर ही नहीं वरन् मानसिक और आत्मीय स्तर पर भी लाभ पहुँचाता है। शरीर को विभिन्न मुद्राओं में मोड़ने और श्वांस लेने भर से यह हमें उर्जा के उच्चतम स्तर तक पहुँचा सकता है, शरीर को रोग विहीन कर सकता है और आने वाली बीमारियों के पहले ही हमे ठीक-ठाक रखता है। ऐसा जादू सिर्फ भारतीय प्राचीन वैज्ञानिक ही कर सकते हैं। हॉ मैं महर्षि पतंजलि की बात ही कर रहा हूँ। वे एक वैज्ञानिक की तरह ही शरीर के विभिन्न आयामों को को खोलते हैं और उन्हे योग, प्राणायाम के साथ स्थापित भी करते हैं। जो लाभ मिलने वाले हैं उसके बारे में भी वे विस्तार से चर्चा करते हैं। उनके योग सूत्र को डिकोड करने की आवश्यकता भर है।

विज्ञान में रिसर्च शब्द का प्रयोग होता है जो कि अपने आप में पूर्ण है। रिसर्च का आशय ही है पुनः तथ्यों को स्थापित करना जो पहले से ही विद्यमान थे। भारतीय प्राचीन ग्रंथों में जीवन के कई तथ्य हजारों सालों पहले से ही स्थापित हैं। मेक्स प्लांक संस्थान के वैज्ञानिक पीटर ड्यूर जो कि आईस्टाईन और हैसनबर्ग की अग्रीम पीढ़ी के वैज्ञानिक हैं कहते हैं कि मैं जब क्वांटम भौतिकी पर लेक्चर देता हूँ तो ऐसा लगता है कि मैं वेदांत की बात कर रहा हूँ। मैं प्रदार्थ पर पिछले 35 सालों से रिसर्च कर रहा हूँ और मैंने यह जाना कि उसका अस्तित्व ही नहीं है। हमारे आस-पास जो भी है वे सब 'वेव फंक्शन' हैं जो कि आदि शंकर ने हजारों सालों पहले उपनिषद के माध्यम से कह दिया था कि जो भी आप देख रहे हैं वह कुछ नहीं है। जर्मन की वैज्ञानिक डागमार युवास्तिक भारतविद्या में डाक्टरेट हैं और वे औषधि, अमरत्व और मोक्ष पर रिसर्च कर रही हैं। जहॉ हमारे यहॉ मोक्ष और अमरत्व की बातों पर दकियानुसी समझा जाता है उस पर वे एक परियोजना में लगी हुई हैं। संस्कृत में उपलब्ध दो हजार साल पुराने साहित्य को वे ऐतिहासिक और दार्शनिक ढंग से देख रही हैं। वे कहती हैं कि इन पांडुलिपियों में अमृत जैसे जादुई रसायनों के बारे में भी लिखा गया है। वे मानती हैं कि प्राचीन समय में ऋषि-मुनि योग के आसन, ध्यान और प्राणायाम के तीन आयोमों को छूकर ही दीर्घ आयु को प्राप्त करते थे।

महर्षि पतञ्जलि (पतंजलि) एक संत हैं जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान कुछ समय रहे थे। इन्हे नागनाथ, गोणिकापुत्र, अहितापति आदि कई नामों से जाना जाता है। 'पतञ्जलि (पतंजलि) योग सूत्र' नामक योग पर अपने ग्रंथ के लिए मशहूर, वह केवल योग के विज्ञान पर एक प्राधिकारी ही नहीं बल्कि एक वैज्ञानिक और डॉक्टर भी थे, जिनकी स्पष्टता और ज्ञान उल्लेखनीय है। इसलिए परम्परा महर्षि पतञ्जलि (पतंजलि) की इस प्रकार प्रशंसा करती है- 'मैं विशिष्ट पतञ्जलि (पतंजलि) को झुक कर अपने दोनों हाथों को जोड़ते हुए प्रणाम करता हूं, जिन्होंने योग के माध्यम से मन, भाषण के माध्यम से व्याकरण एवं औषधि के माध्यम से शरीर की अशुद्धताओं को हटाया।'

राजा भोज ने भी महर्षि पतञ्जलि (पतंजलि) की सराहना की है। - योगेन चित्तस्य पदेन वाचां । मलं शरीरस्य च वैद्यकेन ॥ योऽपाकरोत्तमं प्रवरं मुनीनां । पतञ्जलिं प्राञ्जलिरानतोऽस्मि ॥

मन की चित्त वृत्तियों को को योग से, वाणी को व्याकरण से और शरीर की अशुद्धियों को आयुर्वेद द्वारा शुद्ध करने वाले मुनियों में सर्वश्रेष्ठ महर्षि पतञ्जलि (पतंजलि) को में दोनों हाथ जोड़कर नमन करता हूँ। - इस श्लोक को योगाभ्यास के शुरू में गाया जाता है।

पतञ्जलि (पतंजलि) योग सूत्र में महर्षि पतञ्जलि (पतंजलि) ने विभिन्न ध्यानपारायण अभ्यासों को सुव्यवस्थित कर उनकों सूत्रों में संहिताबद्ध किया है। यह सूत्र योग के आठ अंगों को दर्शाते है। इसमें कुल 195 सूत्र है जिन्हे 4 पदों में विभाजित किया गया है। समाधी पद - इसमें 51 सूत्र है। - इसके अनुसार मन की वृतियों का निरोध ही योग है। साधना पद - इसमें 55 सूत्र है। - 'क्रिया योग' क्या है और उसके अंगो का वर्णन इस पद में शामिल है। तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्रणिधान। विभूति पद - इसमें भी 55 सूत्र है। - इस अध्याय में संयम का वर्णन है। जिसमे ध्यान, धारणा और समाधी यह योग के आठ अंगो में से अंतिम तीन अंग शामिल है। केवल्य पद - इसमें 34 सूत्र है। - परम मुक्ति पर आधारित यह अध्याय सबसे छोटा है। योग के आठ अंग इस प्रकार है - यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधी।

योग अपने आप में बहुआयामी है और कई तरह के प्रभावों से ओतप्रोत है। इसके प्रभाव तो आज का विज्ञान धीरे-धीरे बताता जा रहा है परंतु योग का विज्ञान भारतीय ऋषि-मुनियों के अनुसंधान की देन है। योग प्रकृति से ही जुड़ा है और उसके सारे आसन भी वहीं से प्रेरित हैं। कोई भी कार्य बगैर प्रकृति के नहीं पूर्ण हो सकता है इसलिए इनकी शिक्षा के प्राचीन गुरूकुल नैसर्गिक ही होते थे। योग के नियमों का पालन करके ही योग की उच्च अवस्था को पाया जा सकता है। योग और कसरत में बहुत बड़ा अंतर है और इस अंतर का पता नहीं होने की वजह से ही अधिकांशतः योग महज कसरत बन कर रह जाता है और सारा दोष योग पर ही मढ़ दिया जाता है। इसलिए प्रारंभ से ही योग को गुरू परंपरा से जोड़ा गया है। योग श्रेष्ठ योगी के निर्देशन में ही प्राप्त किया जा सकता है।

योग दिवस

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

महिला सशक्तिकरण भी एक योग है

योग अब केवल जप-तप-ध्यान और अध्यात्म का विषय नहीं रहा। वह अब केवल देह-साधना का विषय भी नहीं। योग को एक दिन के प्रदर्शन से बाहर लाकर उसे जनहित का आधार बनाने के प्रयास व्यापक स्तर पर चल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबसे योग पर सबका ध्यान गया, तब से लेकर लगातार योग के नये-नये विमर्श सामने लाये गये हैं। पहले मनुष्यता के लिये योग आया, फिर वसुधैव कुटुम्बकम् के लिये। इस बार महिला सशक्तिकरण के लिये योग चर्चा में है।

धीरे-धीरे यह बात साफ होती जा रही है कि प्राणायाम और आसन को ही योग मान लेना एक संकुचित विचार है। जब पतंजलि ने 'योगः चित्तवृत्तिनिरोधः' कहकर योग की परिभाषा की होगी, तब वे भी जानते ही होंगे कि योग व्यष्टिगत चित्त की नहीं, समष्टिगत चित्त की वृत्ति का विषय भी है। श्री अरविंद ने जब कहा कि 'सम्पूर्ण जीवन ही योग है' तब यह बात भी साफ हुई कि मनुष्य जीवन की देखभाल हम सबको मिलकर करनी होगी। महान् ऋषियों के दिये हुए सूत्र सदियों बाद पकड़ में आते हैं। नारी हमारे जीवन के केन्द्र में है, इसीलिये आज का योग उसे सुदृढ़ करने की योजना पर काम कर रहा है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये हम सबका जुड़ जाना एक ऐसा योग है, जो दृढ़संकल्प के साथ किया जाये तो समाज के रूपांतरण के लिये एक साल का समय बहुत होता है। योग कोई सा भी हो, पर्याप्त इच्छाशक्ति के बिना क्या परिणाम देगा? योग एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें सरकार कोई बड़ी मदद नहीं कर सकती। वह उत्प्रेरक हो सकती है, जन-जागृति का तंत्र खड़ा कर सकती है, लेकिन हाथ-पाँव तो हमें ही चलाने होंगे।

इसमें अब क्या संदेह कि महिलाएँ घर की चौखट से बाहर निकल आई हैं, और अपने-अपने मोर्चे पर डटकर खड़ी हैं। यह स्थिति ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक जैसी तो नहीं है, लेकिन बदलाव तो सब जगह है। महिलाएँ जब घर में होती हैं, सशक्त ही होती हैं। वे जब बाहर आकर अपना काम सम्हालती हैं, तब और भी अधिक सशक्त दिखाई देती हैं। इसके पीछे उनकी आंतरिक ऊर्जा का योग होता है। सच्चाई यह भी है कि महिलाएँ स्वयं ही अपने सशक्तिकरण का योग जानती हैं। पुरुष वर्ग और समाज उसके इस योग को बल दे सकता है, उसे पुष्ट कर सकता है।

हमारी आंतरिक और बाह्य ऊर्जा का समन्वय ही योग है। महिलाएँ इस योग में स्वभावतः ही पारंगत होती हैं, इसीलिये वे घर और बाहर में आसानी से तालमेल बैठा लेती हैं। अपने उत्कर्ष के लिये वे घर से किसी छूट की उम्मीद नहीं लगाती, लेकिन घर का साथ मिल जाये तो वे ऊँची उड़ान के लिये तैयार खड़ी मिलती हैं। प्रायः देखा भी गया है कि जब-जब महिलाओं को पुरुषों का रचनात्मक सहयोग मिला, उन्होंने ऊँचाई को छुआ है। पुरुष महिलाओं की ताकत बन जाये, तो वे पारिवारिक समृद्धि की गारंटी भी देती हैं। महिला सशक्तिकरण के लिये योग के मायने भी यही हैं कि समाज इस विचार को मान्यता दे और विकसित राष्ट्र का स्वप्न साकार हो।

महिला सशक्तिकरण के लिये सबसे ज्यादा जरूरी है महिलाओं का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य। महिलाएँ पीछे हटती हैं, तो केवल इन्हीं दो कारणों से। महिलाओं को जिन दिनों में शारीरिक कठिनाइयों से जूझना पड़ता है, प्रायः उन्हीं दिनों में वे मानसिक दुर्बलता की भी शिकार होती हैं। यदि परिवार के सदस्यों का पर्याप्त सहयोग मिले, तो उन्हें तनाव-प्रबंधन में बड़ी मदद मिल जाती है। वैसे भी सामान्य तौर पर महिलाएँ शारीरिक या मानसिक तनाव में हैं, तो उसका दुष्प्रभाव हमारी चौमुखी व्यवस्था पर पड़ता है। इसलिये हमारा पूरा प्रयास यही होना चाहिए कि महिलाएँ तनावमुक्त रहें।

कहा जाता है कि किसी भी राष्ट्र या समाज का मनोविज्ञान महिलाएँ ही लिखती हैं। राष्ट्र की उन्नति को मापने का सही पैमाना भी वही मनोविज्ञान है। इसका सीधा सम्बंध हमारी चेतना से है। महिलाओं के प्रति हमारे दृष्टिकोण में कितना सकारात्मक बदलाव आया, हमारे भीतर उनके प्रति कृतज्ञता का भाव कितना है, और वे समाज के मन को पढ़कर क्या टीप देती हैं, इसी पर निर्भर है कि महिला सशक्तिकरण का ग्राफ कितना ऊपर गया।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

योग दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक स्तंभकार हैं।

तन के साथ मन को भी स्वस्थ रखता है योग

प्रतिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'स्वयं और समाज के लिए योग' थीम के साथ 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं।

महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वैतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है।

योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। बहरहाल, योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

प्रो. नीलिमा गुप्ता

(कुलपति, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर)

सशक्त समाज के निर्माण का आधार है योग

योग संस्कृतियों और जातीयताओं की सीमाओं को पार कर अपने जादुई प्रभावों के साथ दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच चुका है। हालाँकि योग की उत्पत्ति भारत में ही हुई और यह देश के सांस्कृतिक ताने-बाने का हिस्सा है लेकिन भारत की लगभग 12 प्रतिशत ही योग का अभ्यास करती है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में लगभग 41 प्रतिशत दिन में और लगभग 42 प्रतिशत रात के समय योग करते हैं। दुनिया का आकलन करें तो यह आज एक उद्योग की शक्ल ले चुका है। 2025 तक योग उद्योग 200 बिलियन से अधिक होने का अनुमान है। वर्तमान में यह लगभग 90 बिलियन है। कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, आयरलैंड और भारत जैसे देशों में योग का लोकप्रिय स्थान है और योग उद्योग की वृद्धि में इनका अधिकतम योगदान है।

योग शब्द के अंग्रेजी वर्णमालाओं की व्याख्या करें तो यह योर ऑब्जेक्टिव्स, गाइडलाइंस एंड एसेसमेंट है। संस्कृत में यह 'युग' शब्द से आया है जिसका अर्थ 'मिलन' होता है जिसका आशय व्यापक रूप से आत्मा और स्वास्थ्य के एकीकृत अनुभव से है। योग धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं की एक शाखा है, जो प्राचीन भारतीय हिंदू धर्म की प्रथाओं से उत्पन्न हुई है। योग की उत्पत्ति उत्तरी भारत में 5,000 साल पहले हुई थी। इस शब्द का पहला उल्लेख प्राचीन पवित्र ग्रंथ ऋग्वेद में मिलता है जिसे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए एक शक्तिशाली अभ्यास के रूप में पहचाना गया । विकसित देशों में योग विभिन्न इम्यूनोलॉजिकल, न्यूरोमस्कुलर, मनोवैज्ञानिक और दर्द की स्थितियों के लिए स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में तेजी से मान्यता प्राप्त और उपयोग किया जा रहा है। दुनिया भर में 300 मिलियन से अधिक योग साधक हैं। आज, भारतीय योग विश्व का पथ प्रदर्शक बन चुका है।

योग संस्कृतियों और जातीयताओं की सीमाओं को पार कर अपने जादुई प्रभावों के साथ दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच चुका है। हालाँकि योग की उत्पत्ति भारत में ही हुई और यह देश के सांस्कृतिक ताने-बाने का हिस्सा है लेकिन भारत की लगभग 12 प्रतिशत ही योग का अभ्यास करती है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में लगभग 41 प्रतिशत दिन में और लगभग 42 प्रतिशत रात के समय योग करते हैं। दुनिया का आंकलन करें तो यह आज एक उद्योग की शक्ल ले चुका है। 2025 तक योग उद्योग 200 बिलियन से अधिक होने का अनुमान है। वर्तमान में यह लगभग 90 बिलियन है। कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, आयरलैंड और भारत जैसे देशों में योग का लोकप्रिय स्थान है और योग उद्योग की वृद्धि में इनका अधिकतम योगदान है। 18 से 29 वर्ष की बीच के उम्र के युवा जो योग करते हैं उनकी संख्या केवल 20 प्रतिशत है। दुनिया में योग करने वालों की कुल संख्या में से 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। भारत में योग करने वालों में 55 प्रतिशत पुरुष और 45 प्रतिशत महिलाएं हैं।

हाल के वर्षों में योग महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरा है। वास्तव में, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 की थीम है 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग', जिसका उद्देश्य महिलाओं के कल्याण को बढ़ावा देने और वैश्विक स्वास्थ्य और शांति को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर देकर योग को एक व्यापक आंदोलन में बदलना है। यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती है। महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक आवश्यकताओं को रेखांकित करने की दिशा में यह पहल महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी जिसमें योग एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करेगा। एक सशक्त महिला लीडरशिप की भूमिका में होकर परिवर्तन को दिशा दे सकती है और सर्वसमावेशी, विविधतापूर्ण और सशक्त समाज का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पहले योग करने वालों में पुरुषों की ज्यादा थी लेकिन विगत कुछ दशकों में यह महिला प्रधान उद्योग बन गया है। योग की मार्केटिंग इस रूप में भी है कि यह महिलाओं के लिए स्वास्थ्य और सौंदर्य में मददगार साबित होती है जिसे आप बुढ़ापे तक जारी रख सकते हैं। साथ ही गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व योग का परामर्श दिया जा रहा है और इसके लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। इसलिए इसकी शिक्षा भी महत्वपूर्ण है। योग शिक्षा महिलाओं को उनके व्यक्तिगत कल्याण और दूसरों की मदद करने के लिए आवश्यक जरिया और ज्ञान प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाती है। योग शिक्षा का प्रशिक्षण महिलाओं के लिए एक संतोषजनक और सशक्त करियर का मार्ग प्रशस्त करता है। यह समग्र स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिलाओं को स्वयं उनके शारीरिक स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में सिखाता है। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और ज्ञान भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में अभिनव कदम है।

योग शिक्षा महिलाओं को मानव शरीर के बारे में एवं उनके शरीर की कार्यप्रणाली को समझने में मदद करता है। आसनों (मुद्राओं) के माध्यम से, महिलाएं शक्ति, लचीलापन और सहन शक्ति विकसित करती हैं। यह शारीरिक सशक्तिकरण उनके आत्मविश्वास और आत्म नियंत्रण की भावना को बढ़ाता है। योग शिक्षा अक्सर ध्यान, प्राणायाम (श्वास अभ्यास) और माइंडफुलनेस जैसी तनाव कम करने की तकनीकों को भी बतलाती है। इनसे महिलाओं को तनाव, चिंता और भावनात्मक उथल-पुथल के प्रबंधन में मदद मिलती है। आत्म-चिंतन और माइंडफुलनेस को प्रोत्साहित करने वाले अभ्यास महिलाओं को स्वयं और उनकी भावनाओं की गहरी समझ विकसित करने में भी मदद करते हैं। यह आत्म-जागरूकता, व्यक्तिगत विकास और भावनात्मक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है।

योग कक्षाएं और कार्यशालाएं एक ऐसा स्पेस प्रदान करती हैं जहां महिलाएं समान रुचियों और चुनौतियों को साझा करने वालों के साथ जुड़ सकती हैं जो सामुदायिक सहयोग और समर्थन की भावना को मजबूत बनाते हैं। योग शिक्षा का अनुसरण करने वाली महिलाएं अक्सर अपने समुदायों में नेतृत्व और शिक्षण के अवसर पाती हैं। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि वे दूसरों के लिए रोल मॉडल के रूप में भी स्थापित होती हैं। इसी तरह योग शिक्षा में शारीरिक मुद्राओं से परे ध्यान और दर्शन पर आधारित शिक्षाएं भी शामिल होती हैं जो आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देते हैं। योग के आध्यात्मिक पहलू महिलाओं को आंतरिक शांति और शक्ति खोजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे वे जीवन की चुनौतियों का अधिक आसानी और आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।

योग शिक्षा का यदि उपाधि के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्राप्त किया जाए तो यह प्रमाणित योग प्रशिक्षक के रूप में करियर के अवसर खोलता है। इससे आर्थिक आत्मनिर्भरता और पेशेवर संतुष्टि प्राप्त हो सकती है। आज कई महिलाएं अपनी योग शिक्षा का उपयोग अपने व्यवसायों, जैसे योग स्टूडियो, वेलनेस सेंटर या ऑनलाइन योग कक्षाओं के लिए करती हैं। उद्यमशीलता की यह भावना उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है। योग शिक्षा में शामिल होकर महिलाएं उन सामाजिक मानदंडों और रूढ़ियों को चुनौती दे सकती हैं जो उनकी भूमिकाओं और संभावनाओं को सीमित करती हैं। योग आत्म-अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व को बढ़ावा देता है, जिससे महिलाएं पारंपरिक रूढ़ियों को चुनौती देती हैं। योग के सिद्धांतों में शिक्षित महिलाएं व्यापक सामाजिक परिवर्तनों के लिए पैरोकार बन सकती हैं, समानता और समग्र कल्याण को बढ़ावा दे सकती हैं। योग शिक्षा में न केवल शारीरिक फिटनेस बल्कि पोषण, जीवनशैली विकल्प और मानसिक स्वास्थ्य भी शामिल है। यह समग्र दृष्टिकोण महिलाओं को उनके स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण लेने के लिए सशक्त बनाता है। समग्र स्वास्थ्य की गहरी समझ के साथ, महिलाएं अपने जीवन के बारे में, आहार और व्यायाम से लेकर तनाव प्रबंधन और स्वयं की देखभाल के बारे में निर्णय लेने के लिए स्वयं पर ही निर्भर रह सकती हैं।

इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का प्रयास करें। यह कुछ प्रविधियों जैसे गाइडेंस प्रोग्राम, जहां अनुभवी योग साधक अपनी योग शिक्षा यात्रा के दौरान महिलाओं का मार्गदर्शन करें। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि योग शिक्षा सभी पृष्ठभूमि की महिलाओं के लिए सुलभ हो, जिसमें हर समुदाय की महिलायें शामिल हों। सस्ती या निःशुल्क योग कक्षाएं इसमें काफी मददगार साबित होंगी। विभिन्न संगठनों और सामुदायिक समूहों के साथ साझेदारी के जरिए महिलाओं के सशक्तिकरण को दृष्टिगत रखते हुए लिए योग शिक्षा को व्यापक स्तर पर प्रसार किया जाना चाहिए। ऐसी कार्यशालाएं और कार्यक्रम बनाए जाने चाहिए जो महिलाओं की रोजमर्रा की समस्याओं जैसे प्रसव, रजोनिवृत्ति, थकान एवं उनसे जुड़े स्वास्थ्य पर आधारित हों। इस तरह योग शिक्षा महिलाओं को उनकी पूर्ण क्षमता का एहसास कराने और सशक्त बनाने और पूर्ण जीवन जीने में मदद करती है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अवनीश सोमकुवर

लेखक-उप संचालक, जनसम्पर्क संचालनालय मध्यप्रदेश शासन भोपाल

परम चेतना से जुड़ने का क्षण

संस्कृत में योग का अर्थ है जोड़, जोड़ना या जुड़ना। यह एक गंभीर अर्थ है और जीवन से गहरे जुडा है। योग का अर्थ है मनुष्य का दिव्यता के साथ जुड़ना। आत्मा का ब्रम्ह के साथ जुडना। जीवात्मा का परमात्मा से जुडना। योग एक ऐसी दिव्य अवस्था है जब चेतना और परम चेतना का जोड होता है। इस अवस्था को प्राप्त करने का अधिकार जन्म जन्मान्तर से हर जीव के पास है। योग की उपज का हिन्दु धर्मग्रंथों और दर्शन में उल्लेख है लेकिन योग तो जीवन मात्र की अभिन्न क्रिया है। मनुष्य तो क्या पशु पक्षी भी योग मुद्रा में रहते हैं।

इस साल योग दिवस सम्पूर्ण स्वास्थ्य की अवधारणा को समर्पित है। आज पूरे विश्व में एक अदभुत वातावरण बना है। पूरा विश्व आज योग कर रहा है। कोविड19 से उपजे अवसाद से निकलने में योग ने बहुतों को सहारा दिया। भारतवर्ष के नागरिकों के लिये गौरव का क्षण है। योग का विधिवत विज्ञान यहाँ सुरक्षित है। आखिर योग दर्शन की विरासत से आज पूरा विश्व समाज लाभान्वित हो रहा है। हम और हमारी पीढ़ी इस अलौकिक समय के साक्षी बन रहे हैं। हम आज गौरव और आनंद से भरे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित कर दिया है कि योग धर्म, जाति और रंग की सीमाओं से परे है। भारत का गौरव बढाने वाला क्षण तो है ही बल्कि पूरे विश्व को परम चेतना के प्रति जाग्रत करने का क्रांतिकारी कदम भी है। नई पीढी के मन में यह सवाल आता होगा कि योग से क्या मिलता है? इसका सीधा सरल जवाब है योग से मिलती है शांति। मन और तन को सबसे ज्यादा जरूरत है शांति की। अशांत मन और अनियंत्रित तन पूरे समाज को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। योग एक ऐसा दिव्य द्वार है जो शांति की ओर खुलता है। शांति से उपजती है एकाग्रता। धर्म संसद में वेदांत दर्शन पर कालजयी व्याख्यान देने के बाद स्वामी विवेकानंद को अमेरिका में जगह जगह दर्शन पर व्याखान देने आमंत्रित किया गया। जब वे अमेरिकन विदयार्थियों के बीच पहुंचे तो विदयार्थियों ने सवाल किया कि पढाई में मन नहीं लगता। स्वामी जी का जवाब था इसका एकमात्र उपाय है एकाग्रता। यह एकाग्रता उपजती है शांत मन से। शांत मन होता है ध्यान से। शांत मन दूषित विचारों से मुक्त होता है। शांति से निर्मित होती है सकारात्मक ऊर्जा। यह ऊर्जा सभी जीवों के लिये कल्याणकारी और हितकारी होती है। शांत चित्त वाला मनुष्य कभी गलत निर्णय नहीं ले सकता। जब शरीर, मन और आत्मा एकाकार हो जायें तो अहित और अशुद्धि का सवाल कहां रह जाता है।

कथा उपनिषद में योग को इंन्द्रियों पर नियंत्रण करने की विदया कहा गया है। श्रीमदभगवद गीता में योग को दुख से वियोग होना कहा गया है। महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र में योग को मन के विचलन पर नियंत्रण की विधा बताया है। महर्षि अरविंद ने तो यहां तक कहा है कि संपूर्ण मानव जीवन ही एक योग है क्योंकि मनुष्य से कई चीजों का जोड है।

एक और सवाल यह उठता है कि योग क्यों करें? इस सवाल का भी सरल जवाब यह है कि योग का उददेश्य परम चेतना में प्रवेश पाना है। यह परम चेतना क्या है जो योग से मिलती है? यह अवस्था ऐसी अवस्था है जब मन केवल न्याय और धर्म के साथ होता है। सिर्फ दया, करूणा, मैत्री और शांति जैसे मूल्य प्रखर होते है। यह अवस्था हर मनुष्य के लिये अनिवार्य है चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या समुदाय का हो या विश्व के किसी भी कोने में रहता हो। कल्पना करें कि जब एक साथ पूरा विश्व योग करे तो फिर भेदभाव कहां रह जाता है। मन में भौगोलिक सीमाओं का बोध समाप्त हो जाता है। फिर चाहे अमेरिका हो, यूरोप हो या आस्ट्रेलिया हो या दक्षिण अफ्रिका। पूरा विश्व एक हो जायेगा। योगिक क्रियाओं से यदि मन एकरूप हो जायें तो भौतिक बंधन और सीमाएं गौण हो जाती है।

जहां तक योग सिखाने की बात है तो भारतीय परंपरा में उल्लेख है कि प्रकृति ने ही तमाम योग मुद्राएं सिखाई है। यह सच है कि योग विदया की विरासत को लगभग विस्मृत सा कर दिया गया था। हमें सिर्फ प्रयासपूर्वक स्वयं को जागने की जरूरत है। योग सदा से विदयमान था। किसी भी धर्म को देखें योग के दर्शन होंगे। चाहे नमाज पढना हो। गिरजा में प्रार्थना का सस्वर पाठ हो या गुरूद्वारों में माथा टेकने का आनुष्ठानिक कर्म हो। विपस्सना या आना-पान ध्यान साधना हो योग और योगिक क्रियाएं जीवन से गहरे जुडी हैं। इसलिये योग सिखाने से ज्यादा अच्छा होगा कि पहले स्वयं योग के प्रति जाग्रत हो जायें। अब एक नई और ओजपूर्ण शुरूआत हो चुकी है। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा स्थापित हुई है।

सिर्फ आसन-प्राणायाम मात्र ही नहीं है योग

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अरुण नैथानी

(वरिष्ठ पत्रकार और योग विशेषज्ञ)

योग महज शारीरिक कसरत ही नहीं है, उसके लिये संयमित व पवित्र जीवन शैली अपरिहार्य है। पतंजलि ऋषि ने योग के जो प्रमुख आठ अंग बताये हैं, उनके अंगीकार से ही योग की उच्चतर साधना संभव है। इन सैद्धांतिक बातों का अनुपालन ही योग का पूर्ण लाभ देता है। इन आठ अंगों में पांच बहिरंग साधन हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार। वहीं धारणा, ध्यान व समाधि योग के अंतरंग साधन है, जिसके जरिये योगी योग के वास्तविक लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

जीवन की वे सामान्य सैद्धांतिक बातें जिसका समाज में हर व्यक्ति को पालन करना चाहिए वे यम के अंतर्गत आती हैं। मसलन दैनिक जीवन में सत्य, अहिंसा,अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह। अस्तेय मतलब किसी दूसरे की वस्तु का हरण न करना, वहीं अपरिग्रह यानी अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं व संपदा का संग्रह न करना। इसी तरह पांच नियम बताए गए हैं- शौच यानी शुद्धता, संतोष, तप यानी निष्काम भाव से स्वधर्म का पालन करना, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान यानी अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने आराध्य को देना। तीसरे अंग के रूप में आसन, चौथे के रूप में प्राणायाम यानी प्राणों का आयाम तथा प्रत्याहार यानी इंद्रियों को विषयों से हटाकर अंतर्मुखी करना। दूसरी ओर गंभीर साधकों के लिए अंतरंग साधन के रूप में धारणा, ध्यान व समाधि को साधा जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव आम सहमति से पारित होने के बाद सबसे बड़े दिन 21 जून को विश्व योग दिवस मनाने का निर्णय हुआ। आज योग की दुनिया 21 जून 2015 को पहला योग दिवस मनाने के बाद बहुत आगे निकल चुकी है। अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिलने के बाद धर्म व क्षेत्र की संकीर्ण दीवारें ढह चुकी हैं। लेकिन योग को महज आसनों की कसरत समझ लिया जाता है।

दरअसल, योग के आठ अंगों को मिलाकर ही अष्टांग योग का अस्तित्व सामने आता है। योग का अर्थ है कि मन को संयमित करके सांसारिक वृत्तियों से मुक्ति पाना। हम हजारों वर्ष पहले महर्षि पतंजलि द्वारा बताए आठ अंगों को ही अष्टांग योग कहते हैं। आम बोलचाल में आसन, प्राणायाम व ध्यान को ही योग मान लिया जाता है। योग का पहला अंग यम आपने पांच सिद्धांतों के जरिये संयमित व मर्यादित जीवन पर बल देता है। इसके पांच अंगों में पहले अहिंसा का मतलब है कि हम मन-वचन-कर्म के जरिये किसी जीवमात्र को कष्ट न पहुंचाएं। सत्य का मतलब असत्य से परे सच का ज्ञान होना। अस्तेय के मायने, दूसरे की वस्तु पर नजर न रखना। ब्रह्मचर्य यानी चेतना को ब्रह्मतत्व में एकाकार रखना। अपरिग्रह यानी संचय का अभाव।

इसी तरह नियम के भी पांच भाग हैं। शौच यानी बाह्य व आंतरिक शुचिता। संतोष जो मिला उसमें खुश रहें, तप यानी देह को तपाकर अशुद्धि दूर करना। इसी तरह आत्मा-परमात्मा को जानने के लिये लिए धार्मिक-आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करके दृष्टि को पवित्र करना। वहीं जीवन में जो कुछ मिले उसका श्रेय परमात्मा को देना ईश्वर प्रणिधान है। यानी व्यक्ति के अहंकार का त्याग। लेकिन हम आजकल योग के तीसरे अंग आसन का ही मुखर प्रकाट्य देखते हैं। ध्यान रहे कि आसन महज शारीरिक व्यायाम नहीं है। इसमें शरीर को कष्ट नहीं देना है। जैसा कि महर्षि पतंजलि कहते भी हैं 'स्थिरं सुखम् आसन।' सही मायनों में शरीर की चंचलता खत्म करके सहजता का भाव स्थिर करना आसन का मकसद है। जिससे मन आनंदित रहे। ताकि शरीर को प्राणायाम व ध्यान के लिये तैयार किया जा सके।

प्राणायाम का योग में बेहद महत्व है। प्राणायाम यानी प्राणों को नियमन। शरीर की सूक्ष्म प्राण शक्ति का नियमन। सांसों के प्रति सजगता बनाना। दरअसल, योगी सांसों के नियमन से अपने तन-मन को साधते हैं। योग ग्रंथों में कहा गया है- 'चले वाते, चलं चित्तं' यानी तेज गति से चलती सांसे हमारे चित्त यानी मन को विचलित करती हैं। वहीं दूसरी यदि हम सांसों का नियमन कर सके तो मन शांत हो जाता है। हमारे धर्मगुरुओं ने सांसों के जरिये आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का प्रयास किया है।

दरअसल,योगी सांसों के नियमन से हम अपनी पांचों ज्ञानेंद्रियों व पांच कर्मेन्द्रियों व मन पर नियंत्रण रख पाते हैं। इसी तरह प्रत्याहार का अभिप्रायः विषय-भोगों के मोह से मुक्त होना ही है। दूसरे शब्दों की इंद्रियों लिप्साओं से मुक्ति से हम अपनी ऊर्जा को बचा पाते हैं, यही प्रत्याहार है। इसी तरह चित्त की एकाग्रता धारणा है। योगी लोग सांसों के नियमन व त्राटक से 'धारणा' हासिल करते हैं। कह सकते हैं मन में विचारों के सैलाब को नियंत्रित करके शांति पाना। इस तरह धारणा को साधने के बाद ध्यान लगाने का मार्ग प्रशस्त होता है। ध्यान अवस्था यानी सांसारिकता से परे शून्यता जैसी घटना का घटित होना। अंततः विरले योगियों को हासिल होने वाली जीवात्मा और परमात्मा की समता की विशेष अवस्था ही समाधि कहलाती है। यानी कि सद्चित आनंद की अवस्था में पहुंचना। जिसे विभिन्न धर्मों में निर्वाण व कैवल्य की स्थिति भी कहा जाता है।

पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल चलाते एक आरोपी को पकड़ा, जप्त की 5 मोटर साइकिल

बैतूल। कोतवाली बैतूल पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान इटारसी रोड पर एक वाहन चालक आरोपी पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़कर भागने पर पुलिस ने संदेह होने पर मोटरसाइकिल चालक का पीछा कर उसे पकड़कर कड़ाई से पूछताछ किया गया। तो आरोपी ने अपना नाम अक्षित उर्फ आशीष पिता मानिक उईके उम्र 18 साल 4 माह निवासी ग्राम लहासा थाना भैंसदेही जिला बैतूल का होना बताया। उक्त आरोपी के कब्जे से मिली मोटरसाइकिल के बारे में जब उससे पूछताछ कर दस्तावेज मांगने पर आरोपी ने इटारसी से वाहन चोरी करना कबूल किया। आरोपी से हिकमत अमली से पूछताछ करने पर 4 अन्य मोटरसाइकिल भी बैतूल से चोरी करके बिक्री करने के लिए छुपाकर रखना बताया गया। आरोपी से कुल 5 मोटरसाइकिल बरामद की जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। इस दौरान हीरो कंपनी की इग्नेटर लाल रंग की बिना नम्बर, डिस्कवर एक काले रंग की, डिस्कवर एक लाल रंग की, पेंशन प्रो काले रंग की बाइक, स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जप्त की गई।

इनकी रही सराहनीय भूमिका-

इस कार्रवाई में निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उपनिरीक्षक नरेन्द्र सिंह ठाकुर, सहायक उप निरीक्षक अरुण यादव, आरक्षक नितिन चौहान, प्रधान आरक्षक महेंद्र, शिव, नवनीत, अनिल बेलवंशी की सराहनीय भूमिका रही है।

पुलिस ने 14 जुआरियों को पकड़ा, 23,190 रुपए बरामद

महिला पार्षद ने पुलिस पर लगाया मारपीट कर पैसे वसूली का आरोप

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर में जुआ सट्टा आम होता जा रहा है, आज मुलताई पुलिस ने 14 जुआरियों को पकढ़कर उनके पास से 23190 रुपए एवं ताश के 52 पत्ते बरामद किए हैं। 14 जुआड़ियों के के विरुद्ध जुआ एक्ट में मामला दर्ज कर सभी को जमानत पर छोड़ दिया गया है।

इधर ताप्ती वार्ड की महिला पार्षद निर्मला उबनारे ने पुलिस पर उनके पुत्र विक्की उबनारे के साथ मारपीट कर उसका पैर तोड़ दिए जाने का आरोप लगाया है। महिला पार्षद ने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक से भी की है। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि थाना प्रभारी ने उनके पुत्र के साथ मारपीट कर के 50 हजार रुपए भी लिए हैं और मारपीट के दौरान यह भी कहा कि तेरी मां बहुत राजनीति करती है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मंगोनाकलां के पास सोनू बिहारे के पोल्ट्री फार्म के पास लगे लाइट के उजाले में कुछ लोग जुआ खेल रहे है। सूचना पर तत्काल टीम ग्राम मंगोनाकलां सोनू बिहारे के पोल्ट्री फार्म के पास पहुंची, तो देखा कि कुछ लोग पोल्ट्री फार्म के पास जमीन पर टाट बिछाकर ताश पत्ती पर रुपये पैसो का दाव लगाकर हार जीत का खेल खेल रहे थे, जो पुलिस को देख कर गिरते पडते भागने का प्रयास करने लगे, उन्हें टीम द्वारा घेराबंदी कर पकडा। सके बाद जमानती अपराध होने के कारण सभी को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

इनका कहना

पुलिस ने कोई मारपीट नहीं की और ना ही पैसे का कोई लेनदेन हुआ है। जुआ-सट्टा एक सामाजिक बुराई है, इसे हम दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। आरोप पूरी तरह निराधार है।

-राजेश सातनकर, पुलिस थाना प्रभारी मुलताई

विश्व सिकलसेल दिवस पर जिला चिकित्सालय में सिकलसेल परामर्श शिविर आयोजित

राज्यस्तरीय कार्यक्रम का 554 ग्राम पंचायतों में हुआ लाइव प्रसारण

बैतूल। विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला चिकित्सालय के नवीन एमसीएच भवन में सिकलसेल परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बैतूल डॉ.रविकांत उइके ने बताया कि शिविर में कुल 2003 लोग, जांच एवं परामर्श हेतु उपस्थित हुए, जिसमें 857 मरीजों का पंजीयन, रक्त जांच के पश्चात् 190 मरीज सिकलसेल बीमारी, 240 सिकलसेल वाहक एवं 427 सामान्य मरीज पाए गए। उन्होने बताया कि राज्य शासन के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित शिविर में सर्वप्रथम उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में डिंडोरी जिले में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिले की सभी 554 ग्राम पंचायतों में सीधा प्रसारण किया गया, जिसको लगभग 55 हजार लोगों द्वारा देखा गया। इस अवसर पर आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक चन्द्रशेखर देशमुख, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके, नपाध्यक्ष बैतूल श्रीमती पार्वती बारस्कर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, नपा उपाध्यक्ष बैतूल महेश राठौर एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष सुनील भलावी उपस्थित थे।

सिकलसेल एनीमिया गंभीर आनुवंशिक बीमारी, ग्रामीणों को जागरूक करना भी आवश्यक- इस अवसर पर आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे ने कहा कि सिकलसेल एनीमिया गंभीर आनुवंशिक बीमारी है, जिसको चिकित्सक एवं दवाइयों के द्वारा खत्म नहीं किया जा सकता है। बैतूल जिला सिकलसेल प्रभावित जिला है। शुरू के वर्षों में बच्चों में बीमारी का पता नहीं चलता। उम्र बढ़ने के साथ-साथ हीमोग्लोबिन की कमी, पीलिया का बार-बार होना एवं जोड़ो का दर्द रहना, इस बीमारी के प्रमुख लक्षण हैं। ये लक्षण होने पर तत्काल

सिकलसेल स्क्रीनिंग करवाकर उपचार प्रारंभ करवाएं। घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस बीमारी की पहचान एवं निदान की जानकारी का अभाव है। हमें चिकित्सक, एएनएम, आशा, स्वास्थ्य अमला के साथ मिलकर इस बीमारी के प्रति जागरूक करना होगा, क्योंकि जानकारी के अभाव में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में खून की कमी पायी जाती है।

विवाह के समय सिकलसेल की जांच करवाना जरूरी- मुलताई विधायक चन्द्रशेखर देशमुख ने कहा कि यह अनुवांशिक बीमारी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी कई वर्षो से लगातार चली आ रही है। इस बीमारी को जड़ से खत्म करने हेतु समाज के विभिन्न संगठनों एवं स्वास्थ्य विभाग को साथ मिलकर सिकलसेल के प्रति लोगों में जागरूकता लाना होगा। यह बीमारी माता-पिता से बच्चों में आती है इसलिए विवाह के समय सिकलसेल की जांच करवाना आवश्यक है। सिविल सर्जन डॉ.अशोक बारंगा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायतों एवं ग्राम आरोग्य मंदिर तक सिकलसेल की स्क्रीनिंग हेतु साधन उपलब्ध करवा दिये गये हैं। हमें अधिक से अधिक लोगों का लक्ष्य लेकर स्क्रीनिंग का कार्य करना है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.जगदीश घोरे ने बताया कि शिविर में कुल 2003 लोग जांच एवं परामर्श हेतु उपस्थित हुए, जिसमें 857 मरीजों का पंजीयन, रक्त जांच के पश्चात् 190 मरीज सिकलसेल बीमारी, 240 सिकलसेल वाहक एवं 427 सामान्य मरीज पाए गए। सभी मरीज एवं हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा किया गया एवं रोगियों को परामर्श दिया गया, जिसमें अस्थि रोग विशेषज्ञ, मानसिक रोग, शिशु रोग, स्त्री रोग, मेडिसिन, फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा सेवाएं दी गईं। शिविर में 127 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर रक्त जांच की गई। शिविर में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र हेतु 81 मरीजों को चिन्हित कर आवश्यक लिये गये। 190 सिकलसेल डिजीज के रोगियों को फॉलो अप कार्ड वितरित किये गये एवं पूर्व में उपचारित रोगियों को जेनेटिक कार्ड दिये गये।

सिवनपाट ग्राम पंचायत को किया पुरस्कृत- जनप्रतिनिधियों द्वारा मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं जेनेटिक कार्ड प्रदान किए गए एवं विकासखंड घोड़ाडोंगरी के सिवनपाट ग्राम पंचायत ने शत-प्रतिशत सिकलसेल स्क्रीनिंग कार्य होने पर ग्राम पंचायत सरपंच एवं सीएचओ को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन आर.एम.ओ. डॉ.रानू वर्मा द्वारा किया। शिविर में जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला चिकित्सालय के समस्त विषय विशेषज्ञ चिकित्सक, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्रीमती शिल्पा जैन, डीपीएम, डीसीएम, आरबीएसके मैनेजर आदि उपस्थित रहे।

शिविर में प्रत्याशा संस्था द्वारा बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित

बैतूल। विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर में प्रत्याशा संस्था द्वारा सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों के स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए सभी से सिकल सेल एनीमिया के

प्रति जागरूक एवं सजग रहने की अपील की गई, और प्रत्याशा संस्था की ओर से तूलिका पचौरी, आशीष कोकने ,साक्षी शर्मा, प्रमिला धोत्रे ,कृष्णा अमरुते , सोनम मिश्रा, जयश्री देशमुख द्वारा बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई।

कांग्रेस गुटबाजी पर बोले निलय डागा: बर्तन साथ होंगे तो बजेंगे भी

निलय डागा व धरमू सिंह का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

बैतूल/मुलताई। बैतूल के पूर्व विधायक निलय डागा एवं पूर्व विधायक धरमु सिंह, पूर्व विधायक डॉक्टर पंजाब राव बोड़खे के निवास पर गुरुवार को पहुंचे। जहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। बोड़खे परिवार की महिलाओं ने उनकी आरती उतार कर उनका स्वागत किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र से कार्यकर्ता उपस्थित थे नीलय डागा ने सभी का स्वागत सत्कार स्वीकार करते हुए कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता तैयार रहे हमें मिलकर संघर्ष करना है। पूर्व विधायक निलय डागा से जब पत्रकारों ने यह पूछा कि क्या कारण है कि लोकसभा चुनाव में बैतूल जिले की दो प्रमुख विधानसभा बैतूल और मुलताई में भाजपा को लोकसभा में सबसे अधिक मत मिले हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में सत्ता सरकार का प्रभाव रहा शासन प्रशासन की भी भाजपा ने पूरी ताकत लगाई हमारे

कार्यकर्ताओं को दबाया गया, कार्यकर्ताओं को कम करने से रोका गया, इसलिए यह रिजल्ट आए हैं। यह पूछे जाने पर की क्या कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी भी इसका एक कारण रहा है, उन्होंने कहा हमारे यहां कोई गुडबाजी नहीं है, सभी ने काम किया परिवार में बर्तन होते हैं तो बजेंगे भी। और सिर्फ बैतूल में नहीं पूरे मध्य प्रदेश में यही हालत है लोगों के गले में फंदा डालकर जमीनों के घोटाले कर रहे हैं नरसिंह घोटाले कर रहे हैं। अधिकारियों पर दबाव है वसूली का और जिस तरीके से पुलिस प्रशासन का इस्तेमाल चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया गया है, उसके नतीजा परदेस में आए हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ पंजाबराव बोडखे, डॉक्टर विशाल बोडखे, गुड्डू मानकर, हर्षवर्धन धोटे, किशोरी पवार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का डागा हाउस बैतूल में भव्य स्वागत

अमरवाड़ा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन रैली में हुए शामिल

बैतूल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का बैतूल में भव्य स्वागत किया गया। वे छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शाह इवनाती की नामांकन रैली में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बैतूल पहुंचने पर उमंग सिंघार का डागा हाउस में पूर्व विधायक निलय डागा, धरमू सिंह सिरसाम, ब्रम्हा भलावी कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे, नारायण धोटे द्वारा पुष्प माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर जिला कांग्रेस के सुनील जेधे, प्रशांत राजपूत, मोनू

बड़ोनिया, लोकेश पगारिया, पुष्पा पेंद्राम, अक्कू पटेल, ऋषि सिरसाम सहित अन्य प्रमुख कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति रही। कांग्रेस जनों ने उत्साहपूर्वक नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का सम्मान किया। डागा हाउस से रवाना होकर उमंग सिंघार गेंदा चौक पहुंचे, जहां पर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर स्वागत किया। यहां से नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व विधायक निलय विनोद डागा छिंदवाड़ा के लिए रवाना हुए।

छिंदवाड़ा में भी जोरदार स्वागत- छिंदवाड़ा पहुंचने पर वहां के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी उमंग सिंघार और निलय डागा का सम्मान किया। उमंग सिंघार और निलय डागा ने धीरन शाह इवनाती की नामांकन रैली में शामिल होकर कांग्रेस की एकजुटता का संदेश दिया। अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शाह इवनाती की नामांकन रैली में उमंग सिंघार की उपस्थिति ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल और उत्साह और बढ़ा दिया है।

अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर 10 जुलाई को उपचुनाव के लिए होगा मतदान- मध्यप्रदेश के अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर आगामी 10 जुलाई को उपचुनाव होना है। जानकारी के अनुसार अमरवाड़ा विधानसभा में धीरन शाह इवनाती का आदिवासी समाज पर काफी प्रभाव रहा है। इस उपचुनाव में छिंदवाड़ा की राजनीति गर्म हो गई। कांग्रेस प्रत्याशी अब बीजेपी प्रत्याशी को कड़ी टक्कर देंगे।

जहां-जहां चरण पड़े गुरू नानक देव जी के पटियाला से आए हिस्ट्री लेने

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। गुरू नानक देव जी आगमन सोहागपुर दो बार हुआ था। रेवा बनखेड़ी स्थित गुरुनानक टेकरी के नाम से विख्यात है। इस स्थान के पास छोटा मंदिर है।इस मंदिर में चरण रखे हुए हैं। वहीं मूर्तियां भी रखी है। इस गुरू नानक टेकरी के संबंध में यह प्रचलित है कि 'कहां से आई मेरी आग भवानी, कहां से आए गुरुनानक भाया, हिंगलाज से आई मेरी आग भवानी माई,उतई से आए गुरू नानक भाया' उल्लेखनीय यह भी है कि गुरू नानक टेकरी से शुभ कार्यों के लिए यही की मिट्टी घर ले जाई जाती थी।यह उल्लेख ट्रेवल्स ऑफ गुरू नानक देव के द्वितीय संस्करण सन् 1978 के पृष्ठ क्रमांक 66 में प्रोफेसर सुरेन्द्र सिंह कोहली प्रकाशन विभाग ने किया था। जिसमें प्रथम यात्रा सोहागपुर, पचमढ़ी, नरसिंहपुर, बालाघाट,तुमसर , नागपुर से 24 किलोमीटर दूर रामटेक स्थान पर रूके थे।दूसरी यात्रा में होशंगाबाद सोहागपुर, नरसिंहपुर, जबलपुर की यात्राएं की थी। उनकी यात्राएं जब देश का ताना-बाना असमंजस में पड़ गया था। तब सौहार्द वातावरण को लेकर उनकी यात्राएं की थी? उनकी यात्राएं केवल भारत में ही नहीं अन्य देशों में सद्भावना को लेकर की गई थी।

ज्ञातव्य है कि इसी संदर्भ में सोहागपुर के मुख्य बाजार में प्राचीन गुरूद्वारा है। ऐसा प्रचलित है कि साहू परिवार के सदस्यों को सपना आया कि यहां एक पेटी में गुरु ग्रंथ साहिब रखा हुआ है। सुबह जब परिवार वालों ने देखा तब उन्हें गुरू ग्रंथ साहिब मिला। बताया जाता है कि जिस भूमि पर गुरू ग्रंथ साहिब मिला उस भूमि को साहू परिवार ने गुरूद्वारा के लिए देकर अपना घर खाली कर दिया था। यह भी उल्लेखनीय है कि इस गुरू ग्रंथ साहिब में अतिरिक्त हस्तलिखित पृष्ठ भी थे। इस महत्वपूर्ण जानकारी को इस प्रतिनिधि ने गुरू नानक जयंती पर लगातार प्रकाशित करके जनता-जनार्दन को इतिहास से अवगत कराया है।

आज इसी संदर्भ की हिस्ट्री जानकारी लेने पटियाला से भाई साहिब भाई भगवान सिंघ जी खोजी एवं उनके सहयोगी गुरूदास सिंह ने सोहागपुर आकर प्रोजेक्टर के माध्यम से गुरू नानक टेकरी , मुख्य बाजार स्थित गुरुद्वारा के अलावा गुरू नानक टेकरी के सामने टेकरी की भूमि को प्रोजेक्टर में सहेजा।इस अवसर गुरू नानक टेकरी व्यवस्थापक गुरू दीपसिंह मल्होत्रा, ज्ञानी सुरजीत सिंह आदि उपस्थित थे। भाई साहब भगवान सिंघ ने इस प्रतिनिधि से पूर्व प्रकाशित समाचारों को मांगने पर प्रदान किए गए।

सामूहिक हित वाले काम में न देरी करेंगे न अनदेखी : सांसद

विकास कार्य प्राथमिकता से तय करेंगे : राज्यसभा सांसद

नर्मदापुरम। नव निर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि व्यक्तिगत हितों में उनसे भले ही देरी हो जाए पर वे सामूहिक हित वाले काम में न देरी करेंगे न अनदेखी, पत्रकारों के आयोजित समारोह में उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने जिस सुचिता के साथ चुनाव लड़ा उसी सुचिता का जीवन भर निर्वहन करेंगे.. उन्होंने कहा वे आलोचना से नहीं डरते उन्होंने पत्रकारों से उम्मीद की है कि वे उनकी जमकर आलोचना करें साथ ही अच्छे कार्यों का भी उल्लेख करेंगे तो वह उन्हें अच्छा लेगेगा कहा, एक कार्यकर्ता होने पर जितना भरोसा उन पर पार्टी और मतदाताओं ने किया उससे ज्यादा लौटाने की बात कही। उन्होंने क्षेत्र की जनता से वायदा किया कि क्षेत्र में छोटा बनकर वे इस क्षेत्र में सब-कुछ देंगे, सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने इस दौरान पत्रकारों से कहा वे साइकोलॉजी के छात्र रहे हैं अतः स्पष्ट कह रहे हैं कि हममें कोई अलग नहीं भले ही आपको हमारा मत मिलता दिखाई नहीं दे, गुट या तालमेल दिखाई

नहीं देता तो यह मत मानना कि हम एक नहीं है। आखिर में हम सब एक साथ ही नजर आयेंगे.. राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि अब नर्मदापुरम? विकास के मामले में पीछे नहीं होगा, वे और सासंद दर्शन सिंह एक और एक दो नहीं बल्कि ग्यारह है और ग्यारह साल इस क्षेत्र की रात-दिन सेवा करेंगे। विकास की गति यहां धीमी है स्वीकार करते हुए आगे कहा यहां विकास होंगे लेकिन प्राथमिकता के हिसाब से..उसे लेकर सभी से संवाद किया करेंगे। इस मौके पर नगर के प्रमुख चिकित्सक अतुल सेठा ने भी मंच सांझा कर उद्बोधन दिया.. नव निर्वाचित सांसद के सम्मान समारोह में एक लंबे अंतराल के बाद मुख्यालय के मीडिया कर्मियों को एक साथ एक जगह पर देखा गया जिसे इस सम्मेलन की विशेष उपलब्धि मानी जा रही जिसकी तारीफ सांसद महोदय ने मुक्त कंठ से मंच से की, अतिथि मंच से संजीव डे राय द्वारा स्कूल तोड़कर आडिटोरियम बनाने के लिए बजरिया को तोड़ जाना जरूरी नहीं था कहे जाने पर राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया सहित मंचासीन सभी अतिथियों ने इस बात का समर्थन करते हुए बजरिया स्कूल तोड़े जाने पर आश्चर्य और अफसोस जताया, श्री डे राय द्वारा आगे कहा गया कि नगर में विकास की गति धीमी है जबकि मुख्यालय पर विकास की अपार संभावनाएं हैं कहीं, विकास होना जरूरी है कहा पर, विकास की प्राथमिकता तय होना चाहिए इस बात का सभी मंचासीन अतिथियों ने तालियां बजाकर समर्थन किया, कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ पत्रकार कमलेश चौधरी ने बताया कि नवनिर्वाचित सांसद श्री चौधरी और राज्यसभा सांसद श्रीमती नारोलिया का स्वागत हीरो शोरूम चौराहा पर किया गया। कमलेश चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी, आशीष दीक्षित, राजेश तिवारी, पंकज शुक्ला, मुकेश भदौरिया, मनोज सोनी सीमा कैथवास, नेहा थापक, श्याम राय, हेमंत राजपूत,सजेंद्र श्रीवास्तव सुरेंद्र सिंह राजपूत, दीपेश पटेल पिपरिया, राजीव जायसवाल पिपरिया पत्रकार समेत एडवोकेट दिलीप श्रीवास्तव, विवेक अहिरवार, राजेश साहू, ब्रजेश साहू, अशोक चौरे, इमाम हिजाजी, नौसाद खान, श्याम पटव आदि अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्कूल चलें हम अभियान में 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम में ख्याति राठौर को नीट परीक्षा में 608 अंक प्राप्त करने पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने सम्मानित किया

धार। स्कूल चले हम अभियान में 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम में ख्याति राठौर को नीट परीक्षा में 608 अंक प्राप्त करने पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम संकुल आनंद उमावि क्रमांक 2 धार में आयोजित किया गया। श्री सोमानी ने बच्चों को शिक्षा और विद्यालय का महत्व बताया । शाला प्रतिवेदन ममता सोलंकी प्राचार्य ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ नवीन राठौर ने किया। आभार दिनेश रघुवंशी जी ने किया। जानकारी प्रधानाध्यापक लोकेंद्रसिंह राठौर द्वारा दी गई।

योगश्चित्तवृत्ति निरोधः

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

शिवकुमार शर्मा

(लेखक महिला एवं बाल विकास विभाग में संयुक्त संचालक है)

चित्त की वृत्तियों पर नियंत्रण नहीं होने के कारण जीवन से संतुलन और सामंजस्य खोने लगा है। योग को चाहे कर्म की कुशलता कहें,चित्त की वृत्तियों का निरोध कहें अथवा जीवन में सभी प्रकार की परिस्थितियों में समत्व की स्थापना कहें ,योग जीवन जीने की कला है, सुंदरतम शैली है और सार्वभौमिक-सर्वकालिक आवश्यकता है। सृष्टि में प्रकृति में और जीवन में संतुलन का बिगड़ जाना अनिष्ट कारक सिद्ध होता है योग ही वह साधन है जो इस अनिष्ट से मुक्ति दिला सकता है।

भगवान श्री कृष्ण के आग्रह पर उपमन्यु ने योग के भेद और अंगों का वर्णन किया है (शिव महापुराण की वायवीय संहिता के उत्तरखंड के 37 वे अध्याय में वर्णित)

निरुद्धवृत्त्यन्तरस्य शिवे चित्तस्य निश्चला।
या वृत्तिस्सा समासेन योगः से खलु पंचधा।।6।।

योग दर्शन में योग को 'योगश्चित्तवृत्ति निरोधः' कह कर परिभाषित किया गया है। योग दर्शन में चित्त की पांच वृत्तियां बताई गई हैं । पहली वृत्ति 'प्रमाण' है। प्रमाण तीन प्रकार के होते हैं प्रत्यक्ष ,प्रमाण और आगम। दूसरी वृत्ति 'विपर्यय' अर्थात् मिथ्या ज्ञान,तीसरी 'विकल्प' अर्थात् ज्ञान जो शब्द से उत्पन्न होता है पर वस्तु होती नहीं है। चौथी चित्तवृत्ति है 'निद्रा' अर्थात् ज्ञेय विषयों के अभाव को ज्ञान का आलंबन। पांचवी चित्तवृत्ति को 'स्मृति'अर्थात् अनुभव में आए हुए विषयों का न भूलना।

श्रीमद् भागवत गीता में तीन प्रकार के योग बताए गए हैं ज्ञान योग, कर्म योग और भक्ति योग। योग की अवस्था का वर्णन कुछ इस प्रकार किया गया है। योगस्थः कुरु कर्माणि संगं त्यक्त्वा धनंजय। सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्चते।। श्रीमद् भागवत गीता अध्याय 2 शोक 48)अपरं च बुद्धि युक्तों जहातीह उभे सुकृत दुष्कृते। तस्माद्योगाय युजस्व

योगः कर्मसु कौशलम्।।गीता 2/50

शिव पुराण में योग के पांच प्रकारों का विवरण पाया जाता है-मंत्र योग मंत्र जप के अभ्यासवश मंत्र के वाच्यार्थ में स्थित हुई विक्षेपरहित जो मन की वृत्ति है उसका नाम 'मंत्र योग' है। मन की वही वृत्ति जब प्राणायाम को प्रधानता दे तो उसका नाम 'स्पर्श योग' होता है। वही स्पर्श योग जब मंत्र के स्पर्श से रहित हो तो 'भाव योग' कहलाता है जिससे संपूर्ण विश्व के रूपमात्र का अवयव विलीन (तिरोहित) हो जाता है,उसे 'अभाव योग' कहा जाता है क्योंकि उसे समय सब वस्तु का भी ज्ञान नहीं होता है जिससे एकमात्र उपाधि शून्य शिव स्वभाव का चिंतन किया जाता हैऔर मन की वृत्ति शिवमय हो जाती है उसे 'महायोग' कहा जाता है ।

प्रायः सभी योग 8 या 6 अंगों से युक्त होते हैं यम नियम, आसान, प्राणायाम, प्रत्याहार ,धारणा ,ध्यान और समाधि यह विद्वानों ने आठ अंग बताए हैं।

अष्टांगों वा षडंगो वा सर्व योगः समासतः।
यमश्च नियमश्चैव स्वस्तिकाद्यां तथासनम्।।14
प्राणायामः प्रत्याहारो धारणा ध्यानमेव च।
समाधिरिति योगांगान्यष्टावुक्तानि सूरिभिः।।15

(श्री शिव महापुराण विधिया संहिता उत्तराखंड अध्याय 37)

अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह को यम को प्रथम योगांग तथा शौच, संतोष, तप, जप (स्वध्याय) और ईश्वर प्रणिधान को द्वितीय योगांग में सम्मिलित किया गया है। योग का तीसरा अंग आसन है। 84 लाख योनियां हैं उतने ही आसन होते हैं इनमें 84 अधिक प्रधान हैं। स्वस्तिक आसन,पद्मासन,अर्ध चंद्रासन, वीरासन, योगासन प्रसाधितासन, प्रर्यंकासन आदि ।

चौथा अंग प्राणायाम है। प्राणायाम तीन प्रकार के होते हैं। रेचक, पूरक और कुंभक नासिका के एक छिद्र को दबाकर उदर स्थित वायु को बाहर निकालने की क्रिया को रेचक कहा जाता है ,फिर दूसरे नासिका छिद्र के द्वारा बाह्य वायु से शरीर को धौंकनी की भांति भरे जाने की क्रिया को पूरक कहा जाता है। जब साधक भीतरी वायु को न तो छोड़ता है और न बाहर की वायु को ग्रहण करता है, केवल भरे हुए घड़े की भांति अविचल भाव से स्थित रहता है तब उस प्राणायाम को कुंभक नाम दिया गया है। योग साधक को चाहिए कि वह रेचक आदि तीनों प्राणायामों को न तो बहुत जल्दी-जल्दी करें और न बहुत देर से

(रेचकादिषु योगाभ्यासो नाड़ी शोधन पूर्वकः।
स्वेच्छोत्क्रमणपर्यंतः
प्रोक्तो योगानुशासने।।26।।)

कनिष्ठ आदि के क्रम से प्राणायाम चार प्रकार का कहा गया है मात्रा और उनके गुण के विभाग तारतम्य

से यह भेद बनते हैं। प्रथम उद्घात में 12, मध्य प्राणायाम द्वितीय उद्घात में 24 मात्राएं होती हैं। उत्तम श्रेणी का प्राणायाम तृतीय उद्घात है जिसमें 36 मात्राएं होती हैं ।उससे भी श्रेष्ठ जो सर्वोत्कृष्ट चतुर्थ प्राणायाम है वह शरीर में श्वेद और कम्प आदि का जनक होता है । उद्घात का अर्थ नाभिमूल से प्रेरणा की हुई वायु का सिर में टक्कर खाना है। यह प्राणायाम देश,काल और संख्या का परिमाण है ।प्राणायाम के दो भेद बताए गए हैं अगर्भ वह और सगर्भ। जप और ध्यान के बिना किया गया प्राणायाम 'अगर्भ' कहलाता है और जप तथा ध्यान के सहयोग पूर्वक किए जाने वाले प्राणायाम को 'सगर्भ' प्राणायाम कहते हैं। सगर्भ प्राणायाम अगर्भ प्राणायाम से सो गुना अधिक उत्तम है इसलिए योगी जन प्रायः सगर्भ प्राणायाम किया करते हैं।

प्राण विजय से ही शरीर की वायुयों पर विजय पाई जाती है। वायु में प्राण प्रयाण करता है इसलिए उसे 'प्राण वायु' कहते हैं। जो कुछ भोजन किया जाता है उसे जो वायु नीचे ले जाती है उसे 'अपान' कहते हैं। जो वायु संपूर्ण अंगों को बढ़ती हुई उसमें व्याप्त रहती है उसका नाम 'व्यान' है। जो वायु मर्म स्थान को उद्देश्य करती है उसकी 'उदान' संज्ञा हैं।जो वायु सब अंगों को संभव से चलती है वह अपने उसे समनयन रूप कम से 'समान' कहलाती है । मुख से कुछ उगलने में कारण भूत वायु को 'नाग' कहा जाता है आंख खोलने के व्यापार में 'कूर्म' नामक वायु की स्थिति है। छींक में 'कृकल' और जँभाई में 'देवदत्त' वायु की स्थिति है। 'धनंजय' नमक वायु संपूर्ण शरीर में व्याप्त रहती है वह मृतक शरीर को भी नहीं छोड़ती। क्रम से अभ्यास में लाया हुआ यह प्राणायाम जब उचित प्रमाण या मात्रा से युक्त हो जाता है तब कर्ता के सारे दोषों को दग्ध कर देता है और उसके शरीर की रक्षा करता है।

अपने-अपने विषय में आसक्त हुई इंद्रियों को वहां से हटाकर जो अपने भीतर निगृहीत करता है उस साधन को 'प्रत्याहार' कहते हैं। (मनःपूर्वाणीन्द्रियानि स्वर्गः नरकमेव च।46) मन और इंद्रियों ही मनुष्य को स्वर्ग तथा नरक में ले जाने वाली हैं यदि उन्हें बस में रखा जाए तो भी स्वर्ग की प्राप्ति कराती हैं और विषय की ओर खुली छोड़ दिया जाए तो वह नरक में डालने वाली होती है गोस्वामी तुलसीदास जी रामचरितमानस में लिखते हैं कि 'इंद्रिय द्वार झरोखा नाना ।तहां तहां सुर बैठे करि थाना ।। आवत देखहिं विषय वयारी ।झट उठ देंहिं कपट उघारी। ।।'

चित्तको किसी स्थान विशेष में बांधना किसी ध्येय विशेष में स्थिर करना ही संक्षेप से धरणा का स्वरूप है । विक्षेपरहित चित्त से जो शिव का बारंबार चिंतन किया जाता है उसी का नाम ध्यान है। ध्येय में स्थित चित्त की जो ध्येया कार वृत्ति होती है और बीच में उसे दूसरी वृत्ति अंतर नहीं डालती उस ध्येयाकार वृत्ति का प्रवाह रूप से बना रहना 'ध्यान' कहलाता है। ध्यान की पराकाष्ठा समाधि की ओर ले जाती है अर्थात जिस ध्यान में केवल ध्येय ही अर्थ रूप से भाषता है ध्याता निश्चल महासागर की समान स्थिर भाव से स्थित रहता है और ध्यानरूप से शून्य सा हो जाता है ,उसे समाधि कहते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में अर्जुन के द्वारा समाधिस्थ (स्थित प्रज्ञ) के लक्षण पूछे जाने पर भगवान कहते हैं श्रीकृष्ण कहते हैं। प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान्।

आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।।2/55

जब मनुष्य मानो धर्म से उत्पन्न होने वाली इंद्रिय तृप्ति की कामनाओं का परित्याग कर देता है और जब इस तरह से विशुद्ध हुआ उसका मन आत्मा में संतोष प्राप्त करता है तो वह विशुद्ध दिव्य चेतना को प्राप्त स्थित प्रज्ञा कहा जाता है

दुःखेष्वनुद्विग्नमनाः सुखेषु विगतस्पृहः।
वीतराग भय क्रोधः स्थितधीर्मुनिरुच्यते।।2/56

अर्थात जो त्रय तापों के होने पर भी मन में विचलित नहीं होता अथवा सुख में प्रसन्न नहीं होता और जो आसक्ति,भय तथा क्रोध से मुक्त है वह स्थिर मन वाला मुनि कहलाता है।

यःसर्वत्रानभिस्नेहस्तत्तत्प्राप्य शुभाशुभम्।
नाभिनन्दति न द्वेष्टि सत्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता।।2/57

इस भौतिक जगत में जो व्यक्ति न तो शुभ की प्राप्ति से हर्षित होता है और न शोक के प्राप्त होने पर उससे घृणा करता है वह पूर्ण ज्ञान में स्थिर होता है।

यदा संहरते चायं कूर्मोऽंगानीव सर्वशः।
इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेभ्स्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता।।2/58

जिस प्रकार कछुआ अपने अंगों को संकुचित करके खोलकर भीतर कर लेता है उसी प्रकार जो मनुष्य अपनी इंद्रियों को इंद्रिय विषयों से खींच लेता है वह पूर्ण चेतना में दृढ़ता पूर्वक स्थिर होता है।

सकारात्मक सोच से लक्ष्य की प्राप्ति संभव है : मनोज सोमानी

माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम संपन्न

धार। सकारात्मक सोच से लक्ष्य की प्राप्ति संभव है तथा शिक्षण संस्थाओं से प्रतिभावान विद्यार्थियों का श्रेष्ठ भविष्य तय होता है भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने धार के शासकीय आनंद माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 घोड़ा चौपाटी में व्यक्त किये।

उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को प्रेरक प्रसंग सुनाकर विद्यार्थियों के महत्व को बताया. भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में स्कूल तथा शिक्षक का महत्व अत्यधिक है उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को बताया शासकीय योजनाओं का

लाभ लेकर समाज में अच्छा नाम कमाया जा सकता है ।

इस अवसर पर धार नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। मंच पर धार नगर ठाकरे मंडल अध्यक्ष नितेश अग्रवाल, तिरला मंडल अध्यक्ष अमित पाटीदार ,भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक लाखन सिंह नवासा ,राजेश डाबी, रॉकी आहूजा, हरीश आर्य उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का आरंभ जिला अध्यक्ष सोमानी ने किया । सरस्वती वंदना सुश्री भारती वर्मा ने प्रस्तुति की स्वागत भाषण राजकुमार मेरबानी ने दिया स्वागत प्राचार्य ममता सोलंकी और दिनेश रघुवंशी अनुपमा काशिव एवं रविकांत हिंडोलिया ने किया संस्था प्रतिवेदन प्राचार्य ममता सोलंकी ने दिया संचालन डॉ नवीन राठौर ने किया। आभार दिनेश रघुवंशी ने माना। कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों ने पुस्तक वितरण करके विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया ।

सरोकार

अब वृद्धजन आसानी से सुन सकेंगे

धार। वृद्धावस्था की अपने अलग ही रंग ढंग होते है। शरीर शिथिल होता पर संवाद भाव नहीं। कान की कमजोरी कभी कभी दिक्कत पैदा करती है। वृद्धावस्था में कम सुनाई देना समस्या है। सामाजिक सहयोग से वृद्धाश्रम के 4 में से 2 सदस्यों को कान मशीन उपलब्ध करवा दी गई है। जानकारी देते हुए मीडिया

प्रभारी राकी मक्कड़ ने बताया कि दानदाता जया मेडिकल के विपिन अग्रवाल ने यह सेवा सहयोग दायित्व का सहर्ष निर्वहन किया है। ऐसी प्रकार से 4 एक्जास्ट फेन का सहयोग मुन्नीलाल राजकमल कानपुर वालों ने करवाया है। संस्था प्रबन्धन से रानी पंवार ने बताया कि शेष दो सदस्यों को शीघ्र ही जिला अस्पताल के सहयोग से जांच उपरांत मशीन उपलब्ध करवाने के प्रयास जारी है। एक्जास्ट लगने से कमरे व बाथरूम में बदबू में कमी आएगी। कान की मशीन उपलब्ध होने से दोनों वृद्धजन ने खुशी जाहिर की है।

भाजपा ने आगामी संगठनात्मक अभियान के लिए जिला स्तरीय टोली गठित की गई

धार। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन के आगामी कार्यक्रम हेतु भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने जिला स्तरीय टोली गठित की गई जिसमें 21 जून योग दिवस कार्यक्रम हेतु भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीलेश भारती, जिला मंत्री पवन कुशवाहा जिला कोषाध्यक्ष मनीष प्रधान को बनाया गया है। 23 जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्मृति दिवस के लिए भाजपा जिला उपाध्यक्ष सौरभ शर्मा, जिला मंत्री दीपक फेमस किसान मोर्चा जिला महामंत्री रतन पाटीदार है। 25 जून आपातकाल काला दिवस कार्यक्रम हेतु जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे जिला मंत्री जीवन रघुवंशी। 30 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का प्रदीप गादिया देवेंद्र पाटीदार नितेश राठौर को नियुक्त किया गया है। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

लायन प्रणय तिवारी रीजन चेयरपर्सन बने

धार। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन योगेन्द्र रूनवाल ने लायन्स क्लब धार सिटी के पूर्व अध्यक्ष लायन प्रणय तिवारी एडवोकेट के पीड़ित मानवता के सेवा कार्यो एवं सक्रियता को देखते हुए सत्र 2024-25 के लिए रीजन चेयरपर्सन नियुक्त किया है। लायन तिवारी ने लायन क्लब की सेवा परंपरा के अनुरूप गतिविधियां संचालित करने का संकल्प जताया , प्रणय तिवारी के साथ झोन चेयरपर्सन के रूप में लायन मधुलता त्रिपाठी, लायन नकुल जोशी, लायन विनोद बाफना की भी नियुक्ति हुई । प्रणय तिवारी को रीजन चेयरपर्सन बनाए जाने की इस उपलब्धि पर सेकेण्ड वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन जयप्रकाश त्रिपाठी, लायन चैतन्य त्रिपाठी, लायन कपिल माहेश्वरी, लायन राजीव जोशी, लायन संतोष भार्गव, लायन मनोज सिसौदिया, लायन धर्मेश अग्रवाल, लायन आशीष चौहान, लायन अशोक पाटीदार, लायन ओ.पी सोलंकी, लायन भैरूलाल पाटीदार, लायन दयाराम पाटीदार, लायन श्रवण त्रिपाठी व साथियो ने हर्ष व्यक्त किया। जानकारी लायन क्लब धार सिटी के योगेश चौहान ने दी ।

जिस तरह विधानसभा में सड़कों का जाल बिछाया गया है,उसी प्रकार में शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के प्रयास होंगे

सुबह सवेरे सोहागपुर। जिस तरह सोहागपुर विधानसभा में सड़कों का जाल बिछाया गया है।अब इसी क्रम में उसी प्रकार विधानसभा में शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। स्थानीय स्तर पर शीघ्र ही शासकीय महाविद्यालय खोला जाएगा। इसके साथ ही सांगाखेड़ा खुर्द एवं तरोन कला में सीएम राइज स्कूल खोले जाएंगे। उक्त उद्गार क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने सोहागपुर के सीएम राइज स्कूल के लिए बस व्यवस्था के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत परिषद अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत

पटैल ने की। इस अवसर पर प्राचार्य रामकिशोर दुबे, विकास खंड अधिकारी आर बी चौधरी, बीआरसी राकेश रघुवंशी, जनप्रतिनिधि, मातृशक्ति एवं गणमान्य उपस्थित थे। आपने आगे कहा कि सीएम राइम राईज स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के लिए परिवहन सुविधा प्रारंभ की जा रही है। इसी अवसर पर छात्रों को तिलक लगाकर फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। क्षेत्रीय विधायक ने हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक चंद्रकांत पालीवाल ने किया। आभार बीआरसी राकेश रघुवंशी ने किया। कार्यक्रम उपरांत छात्रों को निःशुल्क पुस्तकें प्रदान की गई।

दुनिया की जीवन दिनचर्या बना योग

योग दिवस पर विशेष

प्रभुनाथ शुक्ल

(वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं समीक्षक)

योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं।

भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है-'योगः कर्मसु कौशलम' यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि 'योगस्थः कुरु कर्माणि' इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है।

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर, 2014 को इसका प्रस्ताव भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे।

योग शास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक समृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने हैं। दुनिया भर में योग की महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं।

भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई हैं। भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरूक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। फिट इंडिया, हिट इंडिया उनका मूलमंत्र है। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम तनाव की जिंदगी दे रहा है। जिंदगी की गति अधिक तेज हो चली है। लोगों के जीने का नजरिया बदल रहा है। काम का अधिक दबाव बढ़ रहा है इससे हाईपर टेंशन, और दूसरी बीमारियां फैल रही हैं। तनाव का सबसे बेहतर इलाज योग विज्ञान में हैं, वहीं लोगों में सुंदर दिखने की बढ़ती ललक भी योग और आयुर्वेद विज्ञान को नया आयाम देगी। यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। आम आदमी के जिंदगी में तनाव तेजी से बढ़ रहा है।

आजकी भगदौड़ में पूरी जिंदगी असंयमित हो गई है, जिसकी वजह से परिवार में तनाव और झगड़े होते हैं। लोगों के पास आज पैसा है लेकिन शांति नहीं है, जिसकी वजह से परिवार में संतुलन गायब है। लोग खुद से संतुष्ट नहीं है। इस स्थिति से निकालने के लिए योग सबसे बेहतर उपाय हो सकता है। इसलिए भागदौड़ की जिंदगी को अगर संयमित और संतुलित करना है तो मन को स्थिर रखना होगा।

जब तक हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम जीवन के विकारों से मुक्त नहीं हो सकते हैं। उस स्थिति में योग ही सबसे सरल और सुविधा युक्त माध्यम हमारे पास उपलब्ध है। हमारी हजारों साल की वैदिक परंपरा को वैश्विक मंच मिला है। योग का प्रयोग अब दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी होने लगा है, उसे स्थिति हमें अपने जीवन के साथ जीने का नजरिया भी बदलना होगा। योग से संबंधित यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद मेडिसिन उद्योग नई उम्मीदें और आशाएं लेकर आएगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए हैं। योग को पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता है। योग स्वस्थ दुनिया की तरफ बढ़ता कदम है।

राइट क्लिक

नेहरू और मोदी : दोनों तीसरे कार्यकाल में सबसे कम वोटों से जीते!

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

अठारहवीं लोकसभा के लिए हाल में हुए चुनाव नतीजों का एक बड़ा निहितार्थ यह बताया जा रहा है कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी ही देश के ऐसे दूसरे प्रधानमंत्री हैं, जो अपनी पार्टी भाजपा न सही पर चुनाव पूर्व गठबंधन एनडीए को लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज कराने में कामयाब रहे हैं। साथ ही खुद मोदी भी सतत तीसरी बार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पीएम पद की शपथ लेकर सरकार बनाने में सफल हुए हैं। यानी कि देश में आजादी के बाद के 75 सालों में ऐसा राजनीतिक चमत्कार दूसरी बार हुआ है, जब किसी एक राजनेता को जनता ने तीसरी बार पीएम बनने का आदेश दिया हो। यकीनन भाजपा के रूप में एक गैर कांग्रेसी सरकार की यह बड़ी उपलब्धि है, लेकिन यही एकमात्र सत्य नहीं है। कुछ अतिउत्साही और ऐतिहासिक तथ्यों से अंजान न्यूज चैनलों ने तो मोदी के तीसरी बार शपथ ग्रहण को नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ना भी बता दिया। अगर अतीत के राजनीतिक घटनाक्रमों का सांख्यिकीय विश्लेषण करें तो बात बहुत साफ हो जाएगी कि जिसे असाधारण उपलब्धि माना जा रहा है, वह वास्तव में कितनी बड़ी और अतुलनीय है।

इसके लिए हमे अलग- अलग मानकों पर इतिहास को जांचना होगा। अगर शपथ लेने के आंकड़ों को आधार माने तो इस मामले में पंडित जवाहरलाल सबसे आगे हैं। नेहरूजी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ सतत चार बार ली। 1947 में मनोनीत पीएम के रूप में तथा 1052,1957 और 1962 में निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में। बतौर पीएम उनका कुल कार्यकाल 17 साल का होता है, जिसे तोड़ना किसी के लिए भी असंभव नहीं तो बेहद कठिन जरूर है, खासकर तब कि जब इस देश में हर एक- दो दशको में राजनीति की दिशा, मुददे और तकाजे बदलते रहे हैं। पंडित नेहरू भी यह रिकॉर्ड इसलिए बना पाए थे, क्योंकि तब देश में गैर कांग्रेसी विपक्ष अपनी स्पेस तलाश रहा था। जनता भी सपनों के भारत में खोई थी। वास्तविक विसंगतियां धीरे-धीरे सिर उठाने लगी थीं। यह भी सही है कि कुछ ऐतिहासिक गलतियों के बावजूद नेहरूजी के कार्यकाल में देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने के बुनियादी काम हुए। यह बात अलग है कि उस जमाने में नेहरू के कटु आलोचक रहे वाम पंथी और समाजवादियों के राजनीतिक वंशज आज नेहरू के उसी 'आइडिया ऑफ इंडिया' को सही ठहराने में ताकत लगाए हुए हैं।

बेशक, मोदीजी ने नेहरूजी के उस रिकॉर्ड की बराबरी तो कर ली है, जिसमे नेहरू ने 1952 से लेकर 1962 तक तीन बार निर्वाचित पीएम के रूप में शपथ ली थी। इसके विपरीत यह तथ्य भी गौरतलब है कि नेहरू के नेतृत्व में तीनो आम चुनावों में कांग्रेस स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आई थी। जबकि मोदी भाजपा के खाते में यह उपलब्धि केवल दो पार यानी 2014 और 2019 में ही दर्ज करा पाएं हैं। तीसरी बार उन्हे गठबंधन सरकार की अगुवाई करनी पड़ रही है। अलबत्ता नेहरू और मोदी में एक समानता और है। नेहरूजी अपने अंतिम लोस चुनाव 1962 में फूलपुर सीट पहले के चुनावों की तुलना में सबसे कम मतों के अंतर (मात्र 64 हजार 571) से जीते थे, जो उनकी घटती लोकप्रियता का प्रमाण था। (हालांकि प्रतिशत में यह 61.62 होता है, जो मोदी के इस चुनाव के वोट प्रतिशत 54:24 से काफी ज्यादा है)। इसके पहले के दोनों लोकसभा चुनाव नेहरूजी ने 1 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीते थे। नेहरू की कमजोर जीत का कारण उनके खिलाफ नेहरू के प्रखर आलोचक और दिग्गज समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया का चुनाव लड़ना था। इधर मोदीजी भी अपने तीसरे चुनाव में वाराणसी सीट से महज 1 लाख 52 हजार 513 वोटों से जीते हैं। इस कम अंतर के पीछे मोदी समर्थकों का तर्क है कि इस बार चुनाव में कांग्रेस और सपा के वोट मिल जाने से ऐसा हुआ। लेकिन यह सत्यांश ही है। जाहिर है कि मोदी यदि चौथी बार भी वाराणसी सीट से चुनाव लड़े तो उन्हे बहुत मेहनत करनी होगी।

यदि पीएम पद की सतत तीन बार शपथ के बेंचमार्क को अलग रखें तो इस देश में चार प्रधानमंत्री ऐसे हुए हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में तीन बार शपथ ली है। नेहरू और मोदी के अलावा ये हैं- श्रीमती इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी। इंदिराजी और अटलजी ने दो बार लगातार कार्यकाल में पीएम पद की शपथ ली। लेकिन बीच में एक बार उन्हें विपक्ष में भी बैठना पड़ा। इंदिराजी 1967,1971 व 1980 में पीएम बनीं तो अटलजी ने 1996, 1998 व 1999 में पीएम पद की शपथ ली। वैसे तथ्य यह भी है कि लगातार तीसरी बार पीएम बनने वाला कोई राजनेता या तो अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया या फिर उसके बाद सत्ता में नहीं लौट सका। पंडित नेहरू के तीसरी बार निर्वाचित पीएम बनने के बाद उन्हें चीन से भारी धोखा मिला। समूचे देश में उन्हें अपनी चीन के साथ युद्ध में भारतीय सेना की करारी हार और चीन द्वारा कश्मीर व लद्दाख के 42 हजार 735 वर्ग किमी पर अवैध कब्जे के कारण कटु आलोचना का सामना करना पड़ा। इस सदमे से नेहरूजी उबर नहीं पाए और बीमार रहने लगे। पीएम बनने के सवा दो साल बाद उनका निधन हो गया। उनके जीते जी 'नेहरू के बाद कौन?' सवाल पूछा जाने लगा था। इसी तरह श्रीमती इंदिरा गांधी भी अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं। कई साहसिक फैसलों के बाद भी पंजाब में ऑपरेशन ब्लू स्टार उनकी जान का दुश्मन बन गया और तीसरा कार्यकाल पूर्ण होने के तीन माह पहले ही उनकी निर्मम हत्या हो गई। उधर अटलजी ने बतौर पीएम अपना तीसरा कार्यकाल खुद ही छह माह पहले चुनाव कराकर खत्म करने की राजनीतिक भूल की और तमाम उदार छवि के बाद भी नए बने कांग्रेसनीत यूपीए गठबंधन से चुनाव हार कर सत्ता से बाहर हो गए।

मोदीजी चौथी बार पीएम बनेंगे या नहीं, यह अमित शाह के अलावा दावे के साथ कोई भी नहीं कह सकता। लेकिन सवाल उनके तीसरा कार्यकाल पूर्ण करने पर भी हैं। भविष्य का घटनाक्रम केवल नियति जानती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बार- बार यह कहकर मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे हैं कि यह अल्पमत सरकार है, कभी भी गिर जाएगी। यह उनकी खाम खयाली भी हो सकती है, लेकिन असली सवाल मोदी सरकार की राजनीतिक दिशा और दशा का है। अपने दस साल के कार्यकाल में मोदीजी ने कई साहसिक फैसलों के साथ-साथ एकांगी कार्यशैली का जो नया लोकतांत्रिक व्याकरण गढ़ने की कोशिश की है, उस पर गहरे प्रश्नचिन्ह लगने लगे हैं। 2024 के चुनावों ने संकेत दे दिया है कि मतदाता अतिवादी ध्रुवीकरण के मोड से वापस जमीनी मुद्दों की तरफ लौट रहा है। धार्मिक ध्रुवीकरण पर जातिवादी ध्रुवीकरण फिर हावी होता दिख रहा है। बेशक जनता को विकास और एक मजबूत राष्ट्र चाहिए, लेकिन किस कीमत पर, यह बड़ा सवाल है। एकांगी राजनीति, रेवड़ियां, बड़ी-बड़ी बातें और हर बात पर केवल गर्व करते रहना चुनाव में आपकी ज्यादा मदद नहीं कर सकता। आपको जनता की मुश्किलें आसान करने पर पहले ध्यान देना होगा, बाकी सब बातें बाद की हैं। आर्थिकी अगर बढ़ रही है तो वह आम आदमी की जिंदगी में भी परिलक्षित होनी चाहिए। मंदिर- मस्जिद राजनीति का परिपाक हमने राम मंदिर निर्माण के रूप में देख लिया है। इस मुद्दे में अब केवल आस्था का सत्व ही बचा है, उसका राजनीतिक दोहन जितना किया जा सकता था, वह हो चुका। काशी, मथुरा, धार भोजशाला जैसे मुद्दे स्थानीय स्तर पर थोड़ी बहुत मदद कर सकते हैं। उसे राष्ट्रीय मुद्दे में तब्दील करना असंभव है। इसी तरह भाजपा को 'सबका साथ' के मूल भाव पर लौटना होगा। वरना जिन जातियों, समुदायों में उसने गहरे पैठ बना ली है, उन्हे भी खिसकने में ज्यादा देर नहीं लगेगी। मोदीजी अपने दस वर्षों की कार्यशैली से हटकर नई चुनौतियों के हिसाब खुद को कितना एडजस्ट कर पाते हैं, इसी पर आगे का सारा दारोमदार है। वरना इस देश की जनता ने अभी तक तो किसी पीएम को लगातार चौथी बार राजदंड नहीं सौंपा है। तो क्या मोदी नया इतिहास बनाएंगे या फिर खुद इतिहास बनेंगे, यह वक्त बताएगा।

एमपी में आंधी-बारिश, बिजली का अलर्ट

जबलपुर-छिंदवाड़ा समेत 13 जिलों में आज पानी गिरेगा; भोपाल-इंदौर में गरज-चमक

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में प्री-मानसून एक्टिविटी के चलते बुधवार को कई शहरों में मौसम बदला रहा। बारिश हुई, आकाशीय बिजली गिरने के मामले भी सामने आए और आंधी भी चली। ऐसा ही मौसम आज भी रहेगा। जबलपुर, छिंदवाड़ा समेत प्रदेश के 13 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत 38 जिलों में गरज-चमक और आंधी चलेगी।

मौसम विभाग, भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, फिलहाल, आकाशीय बिजली गिरने के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। मौसम विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। जब भी आसमान में गहरे काले रंग के बादल हों तो किसान सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। ग्रुप में न बैठें। हरे पेड़ के नीचे खुद भी खड़े न हों और न ही मवेशियों को खड़ा करें। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से आगे भी ऐसा ही मौसम रहेगा।

ग्वालियर सबसे गर्म, पारा 43 डिग्री रहा

मध्यप्रदेश में बुधवार को ग्वालियर सबसे गर्म रहा। यहां दिन का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सबसे गर्म टॉप-10 शहरों में शिवपुरी, शहडोल, रीवा, चित्रकूट, कटनी, पृथ्वीपुर, नरसिंहपुर, राजगढ़ और सीधी रहे।

शिवपुरी में 41.2 डिग्री सेल्सियस, शहडोल में 40.6 डिग्री, रीवा में 39.4 डिग्री, चित्रकूट में 39.3 डिग्री, कटनी में 39.3 डिग्री, पृथ्वीपुर में 39.2 डिग्री, नरसिंहपुर में 39 डिग्री, राजगढ़ में 38.9 डिग्री और सीधी में 38.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

वहीं, पचमढ़ी में सबसे कम 29 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सिवनी में 30.6 डिग्री, छिंदवाड़ा में 32.5 डिग्री और बैतूल में 32.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि से किसानों के जीवन में खुशहाली का नया अध्याय आरंभ होगा

प्रधानमंत्री का एमएसपी में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री ने माना आभार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा विपणन सत्र 2024-25 के लिए सभी आवश्यक खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी देने से किसानों को बड़ी आर्थिक मदद मिलेगी और उनके जीवन का एक नया अध्याय आरंभ होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी की यह पहल जनकल्याण की भावना से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली सिद्ध होगी। एमएसपी में इस वृद्धि से प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा अन्नदाताओं को दी गई पहली गारंटी पूर्ण होगी और देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एमएसपी में वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना और किसानों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

सुनिश्चित होगा उपज का लाभकारी मूल्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 14 प्रकार की फसलों के मूल्यों में वृद्धि की गई है। समर्थन मूल्य पर की गई यह वृद्धि सिद्ध करती है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं।

धान का समर्थन मूल्य 2 हजार 300 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है, इसमें 117 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है। अब कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7 हजार 521 रुपये होगा, यह पिछली दर से 501 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। इसी प्रकार उत्पादकों को उनके उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, तुअर, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, रामतिल आदि के न्यूनतम मूल्य में वृद्धि की गई है।

तिल की दर में हुई 632 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा किसानों की आय बढ़ाना है, उन्होंने हाल ही में किसान सम्मान निधि जारी कर किसानों की मदद की है। समर्थन मूल्य पर की गई वृद्धि से हाईब्रिड ज्वार अब 3 हजार 371 रुपये, मालदंडी ज्वार 3 हजार 421 रुपये प्रति क्विंटल और बाजरा 2 हजार 625 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर खरीदा जाएगा। रागी 4 हजार 290 रुपये प्रति क्विंटल खरीदने के लिए दरों में 444 रुपये की वृद्धि की गई है। मक्का अब 2 हजार 225 रुपये प्रति क्विंटल खरीदी जाएगी। सोयाबीन में 292 रुपये की वृद्धि की गई है, अब यह 4 हजार 892 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर खरीदा जाएगा। तिल की दर में 632 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है, अब यह 9 हजार 267 रुपये प्रति क्विंटल की दर से लिया जाएगा।

स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली का प्रतीक है योग : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने योग को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और इसे प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उप मुख्यमंत्री ने आह्वान किया है कि सभी नागरिक अपने जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। उन्होंने महर्षि पतंजलि के योगसूत्र का उद्धरण देते हुए कहा है कि योगः चित्तवृत्ति निरोधः। अर्थात्, योग चित्त की वृत्तियों का निरोध है। मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त करने में सहायक है। यह अत्यंत गर्व का विषय है कि योग, जो हमारे ऋषियों की अनमोल देन है, आज पूरे विश्व में स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली का प्रतीक बन चुका है।

प्रारंभिक आयु से ही योग का महत्व सिखाएं- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। योग न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि हमारे मन और आत्मा को भी शांति और संतुलन प्रदान करता है। इसे आप अकेले या अपने परिवार के साथ मिलकर कर सकते हैं। उप मुख्यमंत्री ने माता-पिता, अभिभावकों और युवाओं से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों छोटे भाई बहनों को प्रारंभिक आयु से ही योग का महत्व सिखाएं और उन्हें इसे अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करें। इससे न केवल उनका शारीरिक विकास होगा, बल्कि मानसिक विकास भी सुचारू रूप से होगा।

योग अपनाकर करें बेहतर समाज का निर्माण- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वयं और समाज के लिए योग यह संदेश देती है कि योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। योग हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन प्राप्त करने में मदद करता है, जिससे हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।

पीएम सूर्य लक्ष्मी योजना

छोटे उपभोक्ताओं को सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी के साथ लोन की सुविधा

भोपाल (नप्र)। 150 यूनिट तक खपत वाले बिजली उपभोक्ताओं को दी जा रही भारी भरकम सब्सिडी से बचने के लिए अब मप्र सरकार पीएम सूर्य घर योजना का सहारा लेगी। जनवरी 2024 में लॉन्च इस योजना में अब तक खास सफलता नहीं मिली क्योंकि 60 प्रतिशत केंद्र की सब्सिडी के बाद भी 40 प्रतिशत हिस्सा उपभोक्ता को देना होता है। अब एसबीआई 40 प्रतिशत हिस्से के लिए 7 प्रतिशत की दर से लोन देगी।

सोलर रूफटॉप लगाकर उपभोक्ता खुद के उपयोग के लिए बिजली बनाएगा, साथ ही बची हुई बिजली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को बेचकर लोन की राशि भी चुका देगा। 2023-24 में मप्र में 1.26 करोड़ उपभोक्ता अटल गृह ज्योति योजना में थे जिन्हें कुल मिलाकर 5843 करोड़ की सब्सिडी मिलती है। 100 यूनिट तक मासिक खपत वाले उपभोक्ता 45.8 लाख हैं जबकि 100 से 150 यूनिट वाले 62.7 लाख हैं। सरकार का प्लान इन्हीं को पीएम सूर्य लक्ष्मी योजना में शिफ्ट करना है। कम रेट पर बिजली मिलने और नए सिस्टम में 40प्रतिशत वित्तीय भार के चलते कम आय वाले उपभोक्ता केंद्रीय योजना से नहीं जुड़ रहे हैं।

ऐसा रहेगा गणित

- 60प्रतिशत राशि देता है केंद्र, प्रदेश में 40प्रतिशत राशि की व्यवस्था सस्ते लोन से होगी
- 100-150 यूनिट वाले उपभोक्ता खुद के लिए मुफ्त बिजली बनाएंगे

मप्र पहला राज्य जहां लोन योजना से लगेंगे पैनल

योजना में 100 से 150 यूनिट खपत वाले टारगेट पर हैं ताकि इन लोगों को मुफ्त बिजली मिलती रहे, साथ ही सरकार का सब्सिडी का बोझ खत्म हो। योजना में गणित ये है कि अभी लोगों के बिल से कम भुगतान करना पड़े। जितनी बिजली उपयोग कर रहे हैं उतनी ही उपभोग करें, बाकी डिस्कॉम को बेचकर बैंक लोन का ब्याज दें। कुछ बचत भी हो। जिस दर पर डिस्कॉम बिजली लेगी उसमे प्रति यूनिट 1 रुपए जोड़कर सरकार देगी। ऊर्जा विभाग के मुताबिक मप्र पहला राज्य होगा जहां लोन की योजना से पैनल लगेंगे। सोलर पैनल से कमाई होगी इसलिए मप्र सरकार ने इसे सूर्य लक्ष्मी -मुफ्त बिजली योजना नाम दिया है।

ऐसे होगा फायदा

छत पर लगा सोलर पैनल से हर महीने 394 यूनिट बिजली पैदा करता है। यदि मासिक उपभोग 130 यूनिट है तो बची हुई 394 यूनिट बिजली बेचने से कुल 915 रुपए आय होगी। बिजली कनेक्शन के फिक्स्ड चार्जेज और लोन की राशि आदि देकर 171 रुपए बचेंगे। 285 रुपए जो बिजली बिल आता वो भी बचेगा यानि कुल 455 रुपए उपभोक्ता की आय हो जाएगी।

एक्सपर्ट व्यू - ऐसी योजना आज की जरूरत है

ऐसी योजना आज की जरूरत है। सस्ते लोन की व्यवस्था से हर गरीब व्यक्ति सोलर सिस्टम लगा पाएगा। केंद्र की भी गाइडलाइन है कि सोलर एनर्जी कम ब्याज दर पर मिले। सोलर एनर्जी सिर्फ बिजली का साधन नहीं। सोलर पैनल लगने से स्थानीय रोजगार बढ़ेंगे, लोकल अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

चेतन सोलंकी, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे

पत्नी को 5 घंटे बाद बताया- पति-बेटियां जिंदा जल गए

कारोबारी सीढ़ी पर, बड़ी डोर हैंडल पकड़े हुए मृत मिली, छोटी बेटी जिंदा थी

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में ड्राय फ्रूट्स के कारोबारी विजय अग्रवाल, दो बेटियों अंशिका (15) और यशिका (14) की आग ने जान ले ली। पिता और दोनों बेटियों ने बचने के लिए कितना संघर्ष किया, कोई नहीं जानता। लेकिन, जिस हालत में उनके शव तीन मंजिला घर में अलग-अलग मिले हैं, उससे यह तो साफ है कि तीनों ने बचने के लिए काफी संघर्ष किया होगा।

बुधवार - गुरुवार की दरमियानी रात 2 बजे कारोबारी और बेटियों ने खुद को आग से घिरा पाया तो वे एक - दूसरे की जान बचाने यहां-वहां भागे। पिता ने बेटियों को थर्ड फ्लोर पर कमरे में ही रहने के लिए कहा होगा। खुद पहली मंजिल पर दरवाजे तक पहुंचने की कोशिश की। आग तीनों फ्लोर पर थी।

दूसरी मंजिल की सीढ़ियों के पास ही व्यापारी दम घुटने से गिर गए। बड़ी बेटी दरवाजे के लॉक हैंडल को पकड़े हुए थी, छोटी बेटी बेड पर थी और उसकी सांसें चल रही थीं। एसडीईआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स) ने इसी हालत में तीनों को निकाला था।

उपायुक्त और नगर निगम ग्वालियर के अग्निशमन अधिकारी अतिबल सिंह यादव ने मीडिया से कहा, जब हमने यशिका को रेस्क्यू किया तो उसके शरीर में मामूली हलचल थी। लग रहा था कि उसे बचा लिया जाएगा, अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत की खबर मिली।

बेटियों और पति की मौत से अंजान थीं राधिका- घटना के समय व्यापारी विजय और उनकी दोनों बेटियां ही घर पर थे। पत्नी राधिका, बेटे अंश को लेकर मुरैना मायके में अपने घायल चाचा को देखने गई थीं। घटना के बाद व्यापारी की पत्नी को मुरैना से बुलाकर बहोड़ापुर में एक रिश्तेदार के घर रुकवा दिया गया था। सुबह 11 बजे तक राधिका पति, दो बेटियों की इस मौत से अंजान थीं। उन्हें दोपहर में तब बताया गया, जब शव को घर लेकर आने वाले थे। वे बेसुध हो गईं। कारोबारी और उनकी बेटियों की मौत की पुष्टि सुबह 5 बजे तक हो गई थी।

छत के रास्ते जाते तो बचने की संभावना ज्यादा थी- स्थानीय लोग बता रहे हैं कि आग ग्राउंड फ्लोर पर लगी। यहां ड्राय फ्रूट्स की शॉप थी। दूसरी मंजिल पर इसका गोदाम था। तीसरी पर परिवार रहता था। जिस समय आग लगने का पता लगा, व्यापारी नीचे की तरफ भागा, जबकि वे छत की तरफ भी भाग सकते थे। हालांकि, छत के रास्ते पर भी आग थी, लेकिन वहां बचने की संभावना ज्यादा थी। ऐसा माना जा रहा है कि व्यापारी और उनकी बेटियों को यह लगा होगा कि आग ऊपरी मंजिल पर ही लगी है, इसलिए वह देखने के लिए नीचे की ओर भागे।

व्यापारी के घर में दो ही रास्ते थे। एक मुख्य दरवाजा दुकान के पास है। दूसरा दरवाजा तीसरी मंजिल से था।